भोपाल, रविवार 06 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

वर्ष 54/ अंक 241/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर. एन. आई. 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

रामलला के ललाट पर 4 मिनट तक ठहरीं सूर्य की किरणें, सूर्याभिषेक का दिखा अद्भुत नजारा

अयोध्या। नौमी तिथि मधु मास पुनीता के पावन पर्व पर रविवार को अखिल ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम के प्राकट्य का महापर्व मनाया गया। राम नवमी के पर्व पर दोपहर ठीक 12 बजे घंटा-घड़ियाल व नगाड़े की थापों के मध्य रामलला का प्राकट्य हुआ। इस अलौकिक क्षण में भगवान के प्राकट्य की आरती हुई। राम मंदिर में महाआरती के साथ-साथ सूर्य किरणों से भगवान का अभिषेक किया। राम मंदिर में सूर्य तिलक की तैयारियों के लिए इसरो व सीबीआरआई के वैज्ञानिकों की टीम ने यहां डेरा डाल रखा था।

मुख्य पर्व पर इस सूर्याभिषेक का सजीव प्रसारण दूरदर्शन व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया गया जिसके द्वाया पूरी दुनिया में इसे देखा जा सका। प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अवधपुरी एक बार फिर उन क्षणों की स्मृतियां को जीवंत हुईं, जब श्रीरामलला अपने मनमोहक बाल स्वरूप में भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस मौके पर रविवार को प्रभु को श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान भास्कर द्वारा प्रभु के तेजस्वी ललाट पर सूर्य तिलक का अलौकिक दृश्य भी रामभक्तों को देखने को मिला।

यह अद्भुत और अलौकिक है

रामलला की सुबह से ही पूजा शुरू हो गई थी। इस दौरान राम नवमी के अवसर पर श्रद्धालु राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए। हनुमानगढ़ी के महंत संजय दास ने राम नवमी पर कहा यह अद्भुत और अलौकिक है। अयोध्या नरेश दशरथ भगवान श्री राम सूर्यवंशी थे। जिस समय भगवान राम का जन्म हुआ था, उस समय स्वयं भगवान सूर्य एक महीने तक उनकी लीला देखते रहे थे। इसलिए यह चार मिनट का सूर्य तिलक बहुत महत्वपूर्ण है और सभी सनातन धर्मी इस संजो का बेसब्री से इंतजार रहता हैं।

अयोध्या में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे आराध्य के दर्शन पाकर भक्तों ने खुद को माना धन्य

राम मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। लोग आराध्य की एक झलक पाने को आतुर हैं। मंदिर में भीड़ प्रबंधन के लिए व्यवस्था चाक चौबंद है। श्रद्धालुओं को किसी तरह की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सरयू स्नान के बाद श्रद्धालु बालक राम के दर्शन करने के लिए मंदिर की तरफ बढ़ रहे हैं। मंदिर की तरफ जाने वाले रास्तों पर मानव शृंखला बनी हुई है।

ड्रोन से सरयू के पवित्र जल की फुहारों से बारिश कराई गई

राम जन्मोत्सव का साक्षी बनने अयोध्या आने वाले भक्तों पर ड्रोन से सरयू के पवित्र जल की फुहारों से बारिश कराई गई। इस दौरान मंदिर के सामने भक्तों की लंबी-लंबी कतारें दिखीं।

श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

रामनगरी पहुंचे श्रद्धालुओं ने सरयू में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ कमाया। इसके बाद उन्होंने हनुमान गढ़ी और रामलला के साथ ही विभिन्न मंदिरों में दर्शन किए। फैजाबाद लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी को मात देकर समाजवादी पार्टी से सांसद बने अवधेश प्रसाद ने चुनाव जीतने के बाद पहली बार राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। इससे पहले वह राम मंदिर और रामलला को लेकर दिए अपने बयानों से चर्चा में रहे हैं। रामनवमी पर उन्होंने रामलला के दरबार में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने खुद को रामलला का बड़ा भक्त बताया।

रामेश्वरम में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज 'पंबन' का किया उद्घाटन

कोलंबोः बौद्ध तीर्थ अनुराधापुरा में रेलवे स्टेशन का उद्घाटन कर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामनवमी पर रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे। यहां वे अरब सागर पर बने नए पम्बन ब्रिज का उद्घाटन किया। यह एशिया का पहला वर्टिकल लिफ्ट स्पैन रेलवे ब्रिज है। 2.08 किमी लंबा ब्रिज रामेश्वरम (पम्बन द्वीप) को भारत की मुख्य भूमि तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ही नवंबर, 2019 में इसकी नींव रखी थी। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसे डबल ट्रैक और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। स्टेनलेस स्टील से बने नए ब्रिज पर पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है, जो इसे जंग और समुद्र के नमकीन पानी से बचाएगी। पुराना पुल 2022 में जंग लगने की वजह से बंद कर दिया गया था। इसके बाद से रामेश्वम और मंडपम के बीच रेल कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी। पीएम मोदी ने रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन कर पूजा की। रामायण के अनुसार, रामसेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था। इस वजह से ये आस्था के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि पीएम मोदी ने रामनवमी पर इसका उद्घाटन किया है। इसके अलावा पीएम राज्य में 8300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत के विभिन्न रेल और सड़क प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया।

सिग्नल सिस्टम का शिलान्यास

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद श्रीलंका ने आज बौद्ध तीर्थ अनुराधापुरा में माहो ओमनथाई रेल लाइन का उद्घाटन और सिग्नल सिस्टम का शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई।

पीएम अनुराधापुरा के जयश्री महाबोधि मंदिर भी पहुंचे थे। यहां उन्होंने मंदिर में बौद्ध भिक्षुओं से भेंट की है। इस दौरान पीएम ने मंदिर के प्रमुख बौद्ध भिक्षु को उपहार भी दिया। पीएम मोदी की अपील पर 14 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है। पीएम ने कल श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके से मछुआरों की रिहाई पर बात की थी। मोदी तीन दिवसीय श्रीलंका दौरा पूरा कर भारत रवाना हो गए हैं। श्रीलंका के माहो जिले से ओमनथाई जिले के बीच यह रेल लाइन नॉर्दर्न रेलवे लाइन का 128 किमी लंबा हिस्सा है। ये श्रीलंका के कुरुनेगला, अनुराधापुरा और ववुनिया जिलों से होकर गुजरता है। श्रीलंका सरकार ने इस रेलवे लाइन के आधुनिकीकरण और सुधार के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरकान इंटरनेशनल लिमिटेड इस खंड के डेवलपमेंट का काम कर रही है। इस परियोजना के लिए भारत ने 318 मिलियन डॉलर (2720 करोड़ रुपए) का लोन दिया है।

वक्फ संशोधन बिल को राष्ट्रपति ने दी मंजूरी, नया कानून बना

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल के संसद के दोनों सदनों में पारित होने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इसे मंजूरी दे दी। वक्फ संशोधन बिल 2025 अब कानून बन गया। इस नए कानून को कांग्रेस, एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी (आप) ने अलग-अलग याचिकाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। देश के अलग-अलग राज्यों में कई मुस्लिम संगठन इसके विरोध में प्रदर्शन भी कर रहे है। केंद्र सरकार के अनुसार यह कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है और इसका उद्देश्य पक्षपात, वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकना है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इस कानून पर अपनी चिंता जताने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से तत्काल मुलाकात का समय भी मांगा था। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े थे। राज्यसभा में बिल के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 वोट पड़े। राज्यसभा में विपक्ष की ओर से लाए गए तमाम संशोधन प्रस्ताव ध्वनिमत से गिर गए। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने शनिवार को इस बिल के विरोध में देशव्यापी आंदोलन करने की चेतावनी दी। एआईएमपीएलबी दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, विजयवाड़ा, मलप्पुरम, पटना, रांची, मलेरकोटला और लखनऊ में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सत्ता पक्ष ने बहुमत का दुरुपयोग किया है और विधेयक को जबरन थोपा गया है।

अधिनियम जवाबदेह प्रबंधन सुनिश्चित करेगा : मुख्यमंत्री

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को दी मंजूरी के साथ अब यह अधिनियम बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह नया यह नया अधिनियम वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता, न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी, न्यायसंगत और जवाबदेह बनाने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यह विधेयक अब एक कानूनी अधिनियम बन गया है, जो वक्फ संपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करेगा। यह अधिनियम विशेष रूप से मुस्लिम समाज के गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्गों के लिए लाभकारी साबित होगा, क्योंकि इसके तहत वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले संसाधनों का सही तरीके से वितरण किया जाएगा, जिससे उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार के अवसरों में सुधार होगा।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम में कन्या पूजन समारोह में देवी स्वरूप कन्याओं का पूजन किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

इंदौर प्रेस क्लब का 3 दिवसीय आयोजन कल से देशभर की पत्रकारिता, फोटोग्राफी और साहित्य जगत की हस्तियां होंगी शामिल

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस के पर 7, 8 और 9 अप्रैल को इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। इसमें देशभर से पत्रकारिता, फोटोग्राफी और साहित्य जगत की अनेक हस्तियां शामिल होंगी। तीन दिन तक चिंतन-मनन के अनेक सत्र के साथ ही व्याख्यान, कार्यशाला, सम्मान और पुरस्कार वितरण भी होगा। यह आयोजन पूरी तरह ईको फ्रेंडली होगा। इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी और महासचिव हेमंत शर्मा ने बताया कि 7 और 8 अप्रैल को सभी आयोजन इंदौर प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागृह में होंगे। 9 अप्रैल को मुख्य आयोजन मूर्धन्य पत्रकार राजेंद्र माथुर स्मृति व्याख्यान का आयोजन साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में होगा। उन्होंने बताया कि 7 अप्रैल को सुबह 11 बजे इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का शुभारंभ मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल करेंगे। सांसद शंकर लालवानी बतौर विशेष अतिथि मौजूद रहेंगे। 7 अप्रैल को पहला चर्चा सत्र सुबह 11.30 बजे पत्रकारिता का इंदौर घराना विषय पर होगा। इसमें पद्मश्री आलोक मेहता, यशवंत व्यास, विजय मनोहर तिवारी और सईद अंसारी विचार व्यक्त करेंगे।

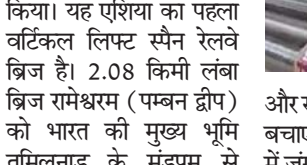

टाटा मोटर्स ने ट्रंप के टैरिफ ऐलान के बाद जगुआर लैंड रोवर का एक्सपोर्ट रोका

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑटो सेक्टर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इसके बाद टाटा की मोटर्स कंपनी ने अमेरिका को अपनी गाड़ी एक्सपोर्ट नहीं करने का फैसला किया। टाटा मोटर्स की सब्सिडिरी ने जगुआर लैंड रोवर ने यह फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार जगुआर लैंड रोवर ने ब्रिटेन में बनी गाड़ियों के एक्सपोर्ट को अमेरिका भेजने से रोक दिया। ब्रिटेन की सबसे बड़ी कार बनाने वाली कंपनी का यह फैसला सोमवार से प्रभावी होगा। अमेरिकी सरकार द्वारा ऑटो सेक्टर पर लगाया गया 25 प्रतिशत का टैरिफ गुरुवार से लागू होगा। टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली इस कंपनी का ये फैसला ट्रंप के टैरिफ से बचने के तरीके के तौर पर देखा जा रहा है।

देश में यूसीसी लागू होना जरूरी संविधान निर्माता भी इसके हक में थे : कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू होना बहुत जरूरी है। इससे सभी नागरिकों को (खासकर महिलाओं को) बराबरी का हक मिलेगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की है कि वे मिलकर ऐसा कानून बनाएं। यह टिप्पणी जस्टिस हंचाटे संजीव कुमार की सिंगल जज बेंच ने एक पारिवारिक संपत्ति विवाद के मामले में की। यह मामला मुस्लिम महिला शहनाज बेगम की मौत के बाद उनकी संपत्ति के बंटवारे को लेकर था, जिसमें उनके भाई-बहन और पति के बीच विवाद हुआ। कोर्ट ने इस मामले के बहाने मुस्लिम पर्सनल लॉ पर सवाल उठाए और कहा कि ये कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करता हैं।

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यालय में झंडा फहराया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर प्रदेश कार्यालय में झंडा फहराया एवं भारत माता व महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री चेतन कश्यप, कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, पूर्व सांसद आलोक संजर, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेष वाजपेयी, सुधीर अग्रवाल, श्री मिलन भार्गव, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, एसएस उप्पल सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम डॉ. यादव ने रामनवमी और नवरात्रि पर बधाई दी, गर्व है कि हम इस सांस्कृति धरोहर का हिस्सा हैं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामनवमी और नवरात्रि के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में राम नवमी का उल्लास फैला हुआ है और यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि हम भगवान राम की जन्मभूमि और उनके जीवन की घटनाओं को महसूस कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम के जीवन की प्रत्येक घटना युगों युगों से लोगों के दिलों में अंकित है, और हमें गर्व है कि हम इस सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री ने रामनवमी के संदर्भ में चित्रकूट का भी जिक्र किया, जहां भगवान राम ने 11 साल से ज्यादा समय बिताया था। उन्होंने गोवर्धन कामता नाथ की परिक्रमा का उल्लेख करते हुए बताया कि वहाँ भगवान कृष्ण के अतीत के कई प्रमाण मिलते हैं। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 21 लाख दीपकों के साथ वहां दीपावली मनाई जाएगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मैहर माता के देव स्थान को लेकर भी मुख्यमंत्री ने सरकार के द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि धार्मिक स्थलों का संवर्धन और लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखा जाएगा।

सरकार विरासत से विकास के संकल्प को आगे बढ़ा रही

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने 17 से अधिक धार्मिक नगरों को शराब मुक्त किया है, जो धार्मिक और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अंत में यह कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री के विरासत से विकास के संकल्प को आगे बढ़ा रही है, जिससे धर्म, संस्कृति और विकास का संतुलन स्थापित हो सके। रामनवमी और नवरात्रि के इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से धर्म, संस्कृति और एकता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सऊदी अरब ने भारत-पाक समेत 14 देशों पर लगाई बड़ी पाबंदी

रियाद। सऊदी अरब ने बड़ा फैसला लेते हुए भारत-पाकिस्तान समेत 14 देशों पर बड़ा एक्शन लिया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने 14 देशों के लिए अस्थाई वीजा पर पाबंदी लगा दी है। इस बैन के तहत उमराह, बिजनेस और फैमिली वीज़ा पर रोक लगाई गई है। यह पाबंदी जून के मध्य तक जारी रहेगी। हालांकि जिन लोगों के पास उमराह वीज़ा है, वे 13 अप्रैल तक सऊदी अरब में प्रवेश कर सकते हैं। जिन 14 देशों पर यह वीज़ा बैन लागू हुआ है उनमें- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, मिस्र, इंडोनेशिया, इराक, नाइजीरिया, जॉर्डन, अल्जीरिया, सूडान, इथियोपिया, ट्यूनिशिया और यमन शामिल हैं। इस अस्थाई रोक के पीछे की अहम वजहों में अवैध रूप से हज में हिस्सा लेना और वीज़ा नियमों का उल्लंघन करना बताया गया है। पहले कई लोग सऊदी अरब में मल्टीपल एंट्री वीजा लेकर उमराह या किसी और मकसद से आते थे लेकिन हज सीजन के दौरान वहीं रुक जाते थे।

करुणा धाम आश्रम के पीठाधीश्वर, संस्था के मार्गदर्शक परम पूजनीय सदगुरुदेव के प्राकट्य उत्सव की सेवादार मण्डल परिवार ने बधाई शुभकामनाएं दी है।

श्री राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

आज प्रात: राम नवमी के पर्व पर मनन कर रहा था । मन ने कहा की रामनवमी एक सम्पूर्ण मानव जिसे हमारे पूर्वजों ने भगवान की संज्ञा दी एक संस्कारी अनुष्ठान है लेकिन सही मायने में यह उत्सव भगवान श्री राम के जीवन के हर काल खंड में किए कृतित्व को जीने के संकल्प का भी पर्व है । श्री राम के अवतरण के हजारों वर्ष के उपरांत भी सभी सनातनी हिन्दुओं एवं अन्यों द्वारा राम राम जी, जय श्री राम, जय सिया राम का उद्बोधन इस राम शब्द में बहुत कुछ समेटे हैं। यह उनके जीवन की भव्यता, सौम्यता, दिव्यता , मानवता, प्रेम , करुणा, सहृदयता, सद्भावना को तो दर्शाता ही है लेकिन हमें मार्गदर्शित और प्रेरित करता है की माता पिता, गुरुओं, भाइयों, छोटे बड़े का भेद भुलाकर सभी के प्रति, मित्र के प्रति, दुश्मन के प्रति, जीव जंतुओं के प्रति , प्रकृति के प्रति हमारा कैसा व्यवहार होना चाहिए । यदि हम श्री राम के जीवन कर अनुसरण कर सकें तो राम राज्य को लाने की कल्पना स्वत: साकार हो जाएगी । राम नवमी का दिन श्री राम के जीवन का अनुसरण करने के संकल्प का अवसर है।

पुन: राम नवमी की शुभकामनाएं राकेश शर्मा

पुत्र हो तो श्रीराम जैसा जिसने पिता के वचन के लिए वनवास स्वीकार किया: भगवतनंद गिरी

भोपाल। श्री श्री 1008 भगवतनंद गिरी महाराज के मुखारविंद से ग्राम इमलिया में राम कथा सुनाई जा रही है कथा में उन्होंने भगवान श्री राम के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि पुत्र हो तो श्री राम जैसा कि पिता के वचन को निभाने के लिए स्वयं वनवास चले गए कथा के मुख्य जजमान एडवोकेट शुभम मीणा श्रीमती नीता मीणा ने बताया की श्री राम कथा सभी के सहयोग से संपन्न हो रही है और सभी ग्राम सहित हनुमान जी का भव्य मंदिर निर्माण भी यहां पर किया जा रहा है इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा विकास परिषद भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर विश्वकर्मा, श्रीमती कोमल विश्वकर्मा, विष्णु विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, श्रीमती गीता ठाकुर, बब्लेश मीणा सरपंच लखन पटेल, श्रीमती नीलमणि ठाकुर पत्रकार नीरज विश्वकर्मा द्वारा ब्यास पीठ की पूजा कर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महापौर मालती राय भागवत कथा में हुई सम्मिलित

भोपाल। महापौर मालती राय श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित हुई और व्यासगादी की पूजा-आरती उतारकर महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महापौर परिषद की सदस्य सुषमा बाबीसा, पार्षद शिखा गोहल, अभिषेक पुरोहित, आयोजकगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व श्रद्धालुजन उपस्थित थे। महापौर मालती राय शुक्रवार को 12 नम्बर स्थित बैंक कालोनी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर व्यासगादी की पूजा व आरती उतारकर महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

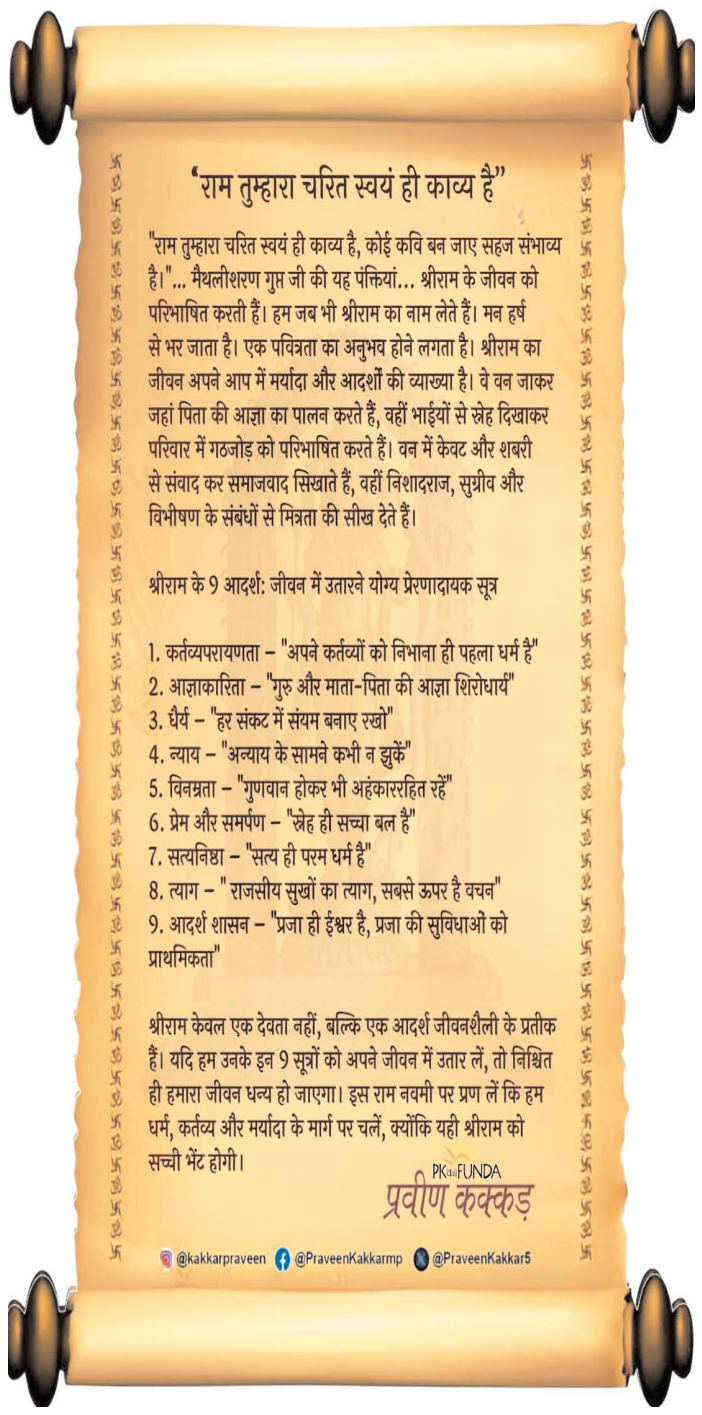

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में रामनवमी महोत्सव का भव्य आयोजन

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में रामनवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से ओतप्रोत एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस अवसर पर कक्षा 6 की छात्राओं ने पुत्रकामेष्टि यज्ञ से लेकर भगवान श्रीराम के जन्म तक की कथा को एक आकर्षक लघु नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। श्रीराम के जन्म की आनंदमयी घड़ी को दर्शाता समूह नृत्य कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। विद्यार्थियों की सजीव अभिव्यक्ति, नृत्य कौशल एवं समर्पण ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन मीनल सिंह द्वारा किया गया। इसी अवसर पर सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित सिंधी मैराथन में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाली छात्राओं नैना बलवानी, आरोही बलवानी, कृष्णा बलवानी एवं शिक्षिका रंजीता फुलबानी को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट उपलब्धियों का प्रतीक रहा। इस अवसर पर अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधारी, प्राचार्या अमृता मोटवानी, उपप्राचार्या रेखा केवलानी सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

किताब का विमोचन

भोपाल। सत्येंद्र साहू के द्वारा लिखित किताब ने करो 96 भजन सम्राट अनूप जलोटा आज विमोचन करेंग। सत्येंद्र साहू ने बताया कि नकरात्मक से सकरात्मक विचारों को लिखकर अलख जगाने की कोशिश कर रहा हूं कलम उठाकर फर्ज निभाने की कोशिश करने प्रथम संस्करण, एवं ने करो द्वितीय, ने करो 3,संस्करण, ने करो 4, संस्करण ने करो 5, संस्करण प्रकाशित हों चुके है. ने करो छटवां संस्करण के लेखक सत्येंद्र साहू और डा नवीन सोनी दमोह के सौजन्य से प्रकाशित हुआ है। स्नेह आशीर्वाद से ने करो 7 सातवां संस्करण भी उत्साहवर्धन की प्रत्याशा में आप जैसे सुधी पाठकों को यह पुस्तक जल्द ही लिखूंगा। पुस्तकें लगभग किसी भी कल्पना योग्य विषय पर ज्ञान का एक विशाल संग्रह प्रदान करती हैं।

भारत विकास परिषद की नई कार्यकारिणी की घोषणा, डॉ. जीटी खेमचंदानी बने अध्यक्ष

संत हिरदाराम नगर। भारत विकास परिषद संत हिरदाराम नगर शाखा की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें वर्ष 2025-2026 की नई कार्यकारिणी पर विचार विमर्श करके नई कार्यकारिणी घोषित की गई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ. जीटी खेमचंदानी, सचिव सुरेंद्र मोतियानी, सह सचिव कीर्ति तोलानी एवं प्रकाश रंगवानी, कोषाध्यक्ष सुंदर किशनानी, सह कोषाध्यक्ष बी.डी भारवानी एवं किशन उदासी को नियुक्त किया गया। सांस्कृतिक प्रमुख विमल भंडारी, सह प्रमुख श्याम उदासी, प्रचार प्रमुख गुलाब जेठानी, सह प्रचार प्रमुख राजा इसरानी, अंकेक्षक विकास आसनानी नियुक्त किए गए है।

इसके अलावा पांच आयामों सेवा, संस्कार और महिला कार्य के ग्रुप बनाए गए है। जिनमें सेवा में उपाध्यक्ष राकेश हरपलानी, संयोजक वी.एन मोतियानी, सदस्य ए.सी साधवानी, डॉ. गुलाब टेवानी, कैलाश आसूदानी, किशोर थावानी, भगवान दामानी, के.टी ज्ञानचंदानी, तुलसीदास तोलानी, गोबिंद मीरचंदानी, संस्कार आयाम में उपाध्यक्ष पं. जयकुमार शर्मा, संयोजक राजेश बेलानी, सदस्य महेश दयारामानी, महेश बजाज, डॉ. अनिल शिवानी, मनोज जनियानी, भारत धनवानी, राजकुमार दामानी, मोहनलाल लालवानी वहीं सम्पर्क में उपाध्यक्ष दिनेश वाधवानी, संयोजक हरीश मूलानी,. सदस्य कैलाश आसूदानी, सुरेश वीधानी, दयाल डेटानी, कन्हैया इसरानी, नीरज वाधवानी, अमित बिनवानी, मोहन मनवानी, विनय दादलानी, पर्यावरण के अंतर्गत उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश मोटवानी, संयोजक धर्म प्रकाश मोटवानी, महिला कार्य के लिए उपाध्यक्ष डॉ निशा सक्सेना, संयोजक कविता इसरानी, सदस्य कीर्ति तोलानी, सुमन मोटवानी, सविता बेलानी, मीना मोटवानी, नीता जेठानी, श्वेता उदासी, डॉ. हर्षा प्रेमचन्दानी, प्रिया खेमचंदानी को शामिल किया गया है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने क्यू1 में कारों की रिकॉर्ड-तोड़ डिलीवरी कर मजबूत परफॉर्मेंस दर्ज की

मुंबई। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2025 की मजबूत शुरुआत करते हुए कारों की बिक्री में 7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 के बीच 3ए914 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 1373 मोटरसाइकिलें (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) डिलीवर कीं। बीएमडब्ल्यू ने 3764 यूनिट्स और मिनी ने 150 यूनिट्स बेचीं।जनवरी, फरवरी और मार्च - प्रत्येक महीने की मासिक बिक्री ने भी अपनी सर्वोच्च बिक्री को दर्ज किया।बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ विक्रम पावाह ने कहा, '' बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ आने वाले सफल वर्ष की नींव रखी है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 3ए914 यूनिट्स के साथ अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है, जिसमें 7 : की वृद्धि भी हुई है। सबसे पसंदीदा लक्जरी ईवी ब्रांड के रूप में अपनी बढ़त जारी रखते हुए, हमने अपनी इलेक्ट्रिक कार बिक्री में 200: से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि देखी है।

क्रॉम्पटन के 3-स्टार ऊर्जा दक्ष, अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन से अपने स्पेस को बनाएं और भी शानदार

मुंबई । कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेगमेंट में अग्रणी क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपना नया प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन पेश किया है। यह प्रीमियम इंडक्शन फैन न केवल शानदार डिज़ाइन बल्कि शक्तिशाली तकनीक और उच्च प्रदर्शन के साथ आता है, जो आपके रहने की जगह को एक नया आयाम देता है। बैलेरीना की सुंदर घुमावदार मुद्रा से प्रेरित, अवांसर स्वर्ल कालातीत सुंदरता और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी अनूठी डिज़ाइन इसे किसी भी घर के लिए एक उल्लेखनीय हिस्सा बनाती है जिससे घर न केवल अधिक आरामदायक बल्कि अधिक स्टाइलिश भी बन जाता है। चाहे आप उमस से राहत चाहते हों या चिलचिलाती गर्मी से तुरंत राहत पाना चाहते हों, क्रॉम्पटन का प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सभी के लिए आदर्श समाधान है। चूंकि ऊर्जा दक्षता और घरेलू सौंदर्य का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए उपभोक्ता ऐसे सीलिंग फैन चाहते हैं जो न केवल प्रभावी शीतलता प्रदान करें, बल्कि बिजली की लागत को कम करते हुए उनके आंतरिक साज-सज्जा के साथ सहजता से मेल खाएं।

एलएनसीटी में जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

भोपाल। मध्य प्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा एलएनसीटी कैंपस रायसेन रोड भोपाल में दूधिया रोशनी में आयोजित 6वी जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय रग्बी महिला × पुरुष प्रतियोगिता संपन्न हो गई। तीन दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के 15 जिलों के 450 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सीनियर पुरुष वर्ग मे देवास प्रथम, भोपाल द्वितीय एंव रायसेन तृतीय स्थान पर रही। सीनियर महिला वर्ग मे नर्मदापुरम प्रथम, इंदौर द्वितीय एंव बैतूल तीसरे स्थान पर रही। जूनियर बालक वर्ग मेदेवास कॉरपोरेशन प्रथम, देवास जिला द्वितीय एंव इंदौर तृतीय स्थान पर रही। जूनियर बालिका वर्ग मे रायसेन प्रथम, शाजापुर द्वितीय, एंव सीहोर तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर डॉ. अजीत सोनी रजिस्ट्रार एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, अबरार अहमद शेख महासचिव रग्बी फुटबाल एसोसिएशन मध्य प्रदेश, पंकज जैन कोषाध्यक्ष रग्बी फुटबाल एसोसिएशन मध्य प्रदेश, संदीप जाधव टेक्निकल डायरेक्टर द्वारा प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम के खिलाड़ियों को मेडल ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाने वाले रैफरियो, फिजियो एवं सभी जिलों से आए पदाधिकारियो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित खिलाड़ी प्री नेशनल कैम्प में अपने खेल को निखारेंगे एवं 23 अप्रैल से गुवाहाटी (असम) में आयोजित होने वाली सीनियर नेशनल रग्बी चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम पूरी दुनिया के गौरव: योग गुरु महेश अग्रवाल

जो मन में मर्यादा बसा ले, उसके जीवन में बसते हैं श्रीराम, जीवन हो तो श्री राम जैसा

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि रामनवमी के पावन पर्व पर नियमित योग साधकों द्वारा सामूहिक योग साधना करते हुए सभी के लिये स्वस्थ जीवन की कामना की गई । योगमय जीवन, सामजिक समरसता अनुशासन एवं विनम्रता के मार्ग पर चल कर प्रभु श्री राम जैसा जीवन जी सकते है एवं हम लोग भी समाज देश और दुनिया के लिए आदर्श प्रस्तुत कर सकते है। श्री राम आस्था से ज्यादा अनुकरण का विषय हैं । समुद्र की भांति स्थिर, धीर, वीर और गंभीर स्वभाव में रत रहने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के गौरव हैं।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि चिन्ता का कारण है परमेश्वर की महत्ता, सर्वज्ञता, सर्वशक्तिमत्ता और सर्वव्यापकता तथा दयालुता पर परम विश्वास का अभाव। यद्यपि हमें यह सब कह दिया गया है, पर हम इसे जानते भर हैं, मानते नहीं। यह राम कौन है? वही जो इस शरीर में रमा है। माइक्रोस्कोप से वह नहीं दिखता। दिव्य-दृष्टि से देखो, जो सुमिरन से हृदय में प्रकट होता है। जैसे भूतादि सिद्धियों से गुप्त धन दीख पड़ता है, वैसे ही रमे हुए राम के दर्शन हो जाने पर ही छिपा खजाना खुलता है। यह राम कौन? जो हृदयाकाश में, दहराकाश में 72,000 मार्गों से लौटता है। जैसे मकड़ी के गर्भ से ऊर्ण और अंगार से चिन्गारियाँ प्रकट होती हैं, वैसे ही समस्त प्राण, समस्त लोक, समस्त देव और समस्त भूत इसी महापुरुष से प्रकट हुए फैले पड़े हैं। वह तुम्हारे, मेरे और सबके अन्दर सातवें लोक, सातवें चक्र और सातवें आसमान और सातवीं भूमिका में बैठा हुआ लीला कर रहा है। ऐसे महान् देव की शरण में न जाकर जो इन्द्रियों के स्वाभाविक धर्मों का ही पालन करे, उसे दु:ख और चिन्ता नहीं तो क्या आनन्द मिलेगा? एक-एक ही इन्द्रिय के स्वाभाविक धर्म का पालन करते हुए पतंगा, भौरा, मछली, हाथी और हिरण

नाश को प्राप्त होते हैं। और, जो पाँचों इन्द्रियों के धर्मों का वशवर्ती हो, उसको भगवान् ही बचायें। इसीलिए ताकीद की गई है कि सभी धर्मों को प्रभु में त्याग और चिन्ता को छोड़। वैसे भी देखा जाय तो चिन्ता बे-अन्त है। यह तो बढ़ती ही जाती है। यही महान् दुःख है। यद्यपि तुम भलीभाँति जानते हो कि प्रभु के अनुग्रह से प्रत्येक घटना घटती जा रही है, और वे अपने दयालु स्वभाव से प्रेरित होकर तुम्हारा कल्याण करते जा रहे हैं; तथापि चिरसंचित अविश्वास श्रद्धा को बार-बार या कभी-कभी हटा ही देते हैं। यह भी सत्य है कि जो चिन्ता करते हैं, वे सब कुछ पा सकने पर भी सुखी नहीं बन सकते। अत: सुखी जीवन बिताना चाहो, तो परम कल्याणकारी प्रभु पर ही सब कुछ छोड़ दो, वे जिस हालत में रखें, उसी में मस्त रहो। अपना और अपने बच्चों का भार उनके हवाले कर अपने मानस को हल्का बनाओ! व्यर्थ की चिन्ता भी है, पर यह गलत बात है न? कोई तुम्हारी चिन्ता के अनुसार तो नहीं बनेंगे।

दुनिया में कितना काम बिखरा पड़ा है। किसी को यह सूझ ही नहीं रहा है। सबके सब बैंक भरने को ही जीवन का लक्ष्य मान बैठे हैं। अरे भई, चार बच्चों को ही हमने दुनिया क्यों माना? क्या मेरे और बच्चे अनाथों की तरह नहीं भटक रहे हैं। दुनिया का भला सोचो तो तर जाओगे । राम का चिन्तन करो तो उड़ जाओगे । जप से अन्त:करण साफ होता है; ध्यान से धुलता है; समाधि से चमक जाता है। चिन्ता के रहते जीवात्मा के तीन दोष-मल, विक्षेप और आवरण बढ़ते जा रहे हैं। इनके रहते अन्तर्ज्योति का मार्ग बन्द पड़ा है। चिन्ता नास्तिक धर्म है। अत: सच्चा आस्तिक या ईमानदार आस्तिक वह है, जिसे चिन्ता नहीं व्यापती, और जो चिन्तन से ही लोक-व्यवहार निपटा लेता है। तुमको अभी भी चिन्तन का आर्ट नहीं आया। यहीं पर तुम्हारी गाड़ी अटकी पड़ी है, उसका पुर्जा बिगड़ गया है। बारम्बार चिन्ता करने से निराशा, भय, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर तथा अन्य दोष उत्पन्न होते हैं, यहाँ तक कि कैंसर भी हो जाता है। चिन्तित व्यक्ति ही दिमागी तनावों को हल्का करने के लिए शराब क्लब, धूम्रपान, निद्रा तथा बाई और भाई लोगों की शरण में जाते हैं। चिन्ता ही तमाम दोषों की जड़ है।

चिन्ता के मूल में जीव का अहम् और उसकी तृष्णा छिपी हुई है। अहम् गया कि तृष्णा मिटी और चिन्ता गई। आत्मा को अन्दर और बाहर से विश्वासमय बना कर रखो; पूर्णत: श्रद्धावान् बनो। अन्दर से भी हँसो और बाहर से भी हँसो। कर्म, धर्म और मर्म तीनों को आनन्दमय बनाकर रखो। प्रभु को तुम्हारे योग-क्षेम का पूरा खयाल है। वे तुम्हारी तमाम जरूरतों से वाकिफ हैं। तुम्हें पुरुषार्थमात्र करना है। वह भी निष्काम भाव से और कर्तृत्वापन के अभिमान से पूर्णतया मुक्त होकर।

जब यात्री अपना भार रेलगाड़ी पर रख देता है, तो भारमुक्त रहकर भी भार को संग-ही-संग ले जाता है। तुम्हें भी तमाम कर्म प्रभु को आश्रय बनाकर करने पड़ेंगे। चिन्तन, एकाकारता, स्थिति और तल्लीनता आ जाय, तो जीवन पूरे का पूरा यज्ञमय बन जाता है।

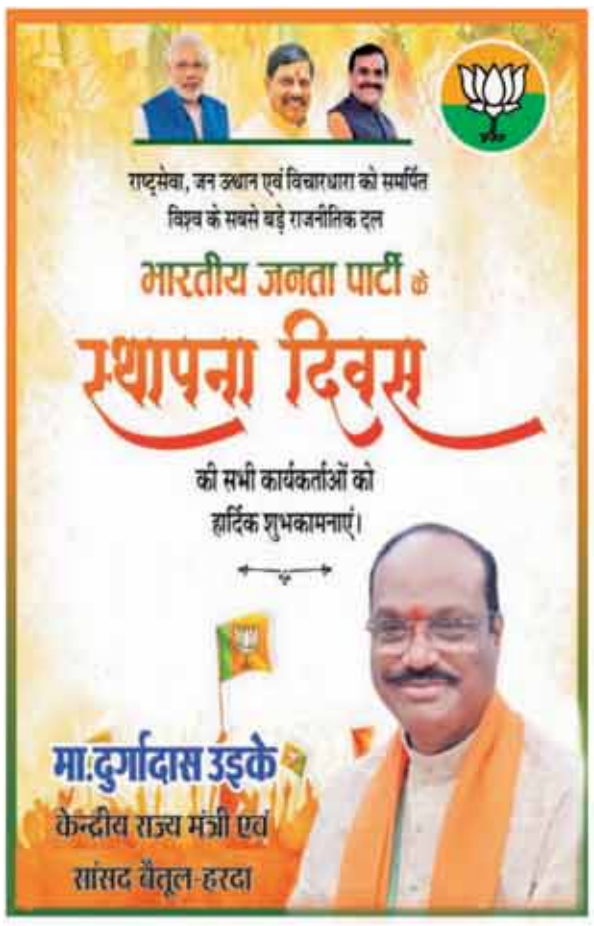

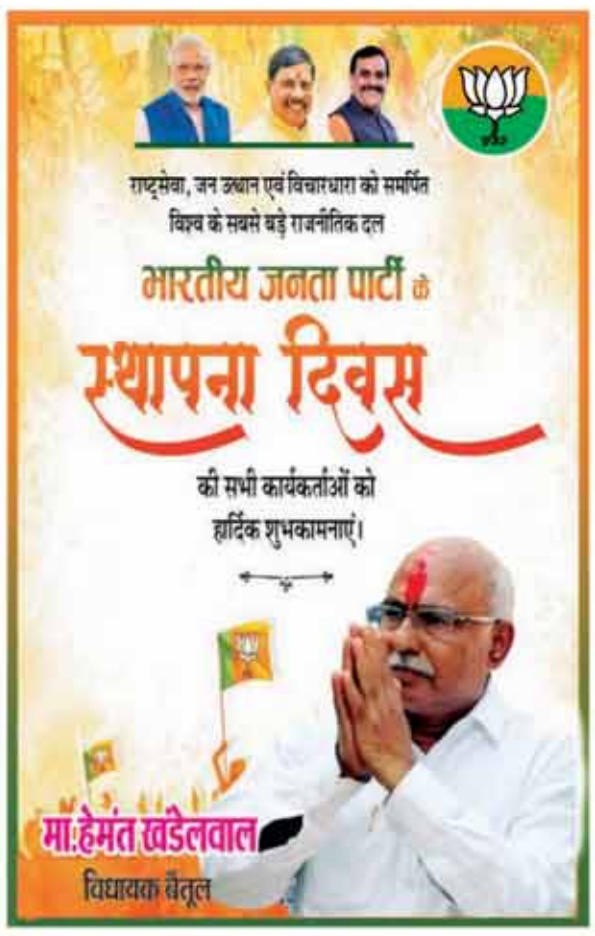

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव पर विशेष

ज्योतिष के आइने में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम

पंडित पीएन भट्ट
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिर्विद,
अंकशास्त्री एवं हस्तरेखा
विशेषज्ञ
मोबाइल: 09407266609

सृष्टि संचालक विराट महापुरुष की सूर्य व चन्द्रमा के समान ये दोनों आंखें, सम्पूर्ण मानव सभ्यता को प्रेरणा देती रहेंगी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम युग-युगाब्द तक याद किए जाएंगे। भगवान श्रीराम राघवेन्द्र थे। इनका जन्म अयोध्या में हुआ। वे समस्त भारत भू-मंडल के चक्रवर्ती सम्राट कहलाते थे। सूर्यवंशीय श्रीराम चैत्र शुक्ल, नवमी, दिन को ठीक 12 बजे अभिजित मुहूर्त में अवतीर्ण हुए। भगवान श्रीराम की कुंडली में सूर्य, मंगल, गुरु, शनि उच्च राशिगत तथा चन्द्र स्वक्षेत्री थे। भगवान श्रीराम का जन्म चर लग्न में हुआ। उनकी जन्म पत्रिका के चारों केन्द्रों में उच्च के ग्रह पंच महापुरुष के योग का

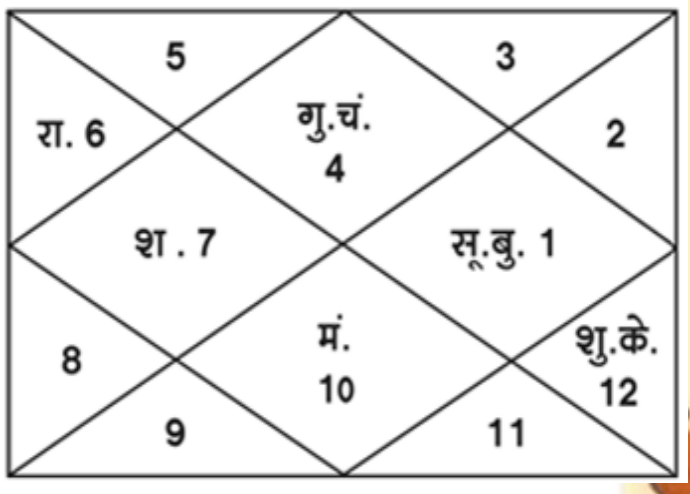

निर्माण कर रहे हैं। वृहस्पति से हंस योग, शनि से शश योग, मंगल से रूचक योग का निर्माण हो रहा है। लग्नस्थ कर्क राशिगत गुरु और चंद्र गजकेसरी योग। कर्क लग्न में सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल पंचमेश और राज्येश बन कर प्रबल राजयोग बना रहा है। सूर्य उच्च राशिगत होकर राज्य भाव (कर्म भाव) में होने से भगवान प्रभु श्रीराम चक्रवर्ती बने। उन्होंने युगों तक राज्य किया। भगवान श्रीरामचन्द्र जी की जन्म कुंडली पर अपनी अल्प बुद्धि से ज्योतिषीय विवेचना का प्रयास किया। विद्वतजनों से आग्रह है त्रुटियों को क्षमा करें। भगवान श्रीराम के जन्मदिन पर प्रस्तुत हैं बड़े विनम्र भक्तिभाव से यह ज्योतिषीय कलेवर, कौतुकता से इसे निहारें। भगवान श्रीराम दीर्घकाल तक सभी जातकों की रक्षा करें।

भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली

भगवान श्रीराम की कुंडली के दसम भवन में सूर्य उच्च राशि में विराजमान हैं। सूर्यदेव 12 कलाओं में मर्यादित हैं, फ्लतः श्रीराम का चरित्र मर्यादित है। इसलिये उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। वे सत्य वक्ता थे। उनके मुख से जो वचन निकल गया वह सत्य होता था, पूर्ण होता था, अमोघ होता था। महाकवि तुलसीदास जी ने रामायण में लिखा है रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाहि पर वचन नहीं जाही। सूर्य, दसम भवन में राज्य, कीर्ति का कारक ग्रह भी हैं, अस्तु प्रभु श्रीराम चाहें वे अयोध्या में रहे हों या अपने विद्याकाल में गुरु वसिष्ठ के गुरुकुल में अथवा वन में या चक्रवर्ती सम्राट के रूप में अयोध्या में रहे हों। उनकी यश, कीर्ति, न्याय व्यवस्था मानव सभ्यता में सदैव स्तुत्यनीय तथा अनंतकाल तक कीर्ति पताका दिग्दिगंत तक फहराती रहेगी। दशरथ नंदन श्रीराम की जन्म कुंडली में चन्द्र देव स्वक्षेत्री कर्क लग्न में उच्च राशिगत देव गुरु वृहस्पति के साथ विराजमान होकर कह रहे हैं कि यह जातक तन, मन से विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न होकर सुदर्शनीय तो होगा ही, साथ ही शील तत्व, स्वभाव कार्यकुशलता की दृष्टि से एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का धनी होगा, जिसे विश्व मानव समाज श्रद्धामयी दृष्टि से अपलक निहारता हुआ राममय हो जाएगा।

द्वितीय भवन

भरताग्रज श्रीराम की कुंडली के द्वितीय भवन का स्वामी नवग्रहों का राजा सूर्य दशम भवन में उच्चराशिगत होकर विराजमान है, सूर्य कुलभूषण श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की महानता को कलकल करती गंगा की तरह सदैव यशस्वी बनाये रखेंगे। ज्योतिषीय ग्रंथों में द्वितीय भवन से जातक के नाक, कान, नेत्र, मुख, दंत, कंठ स्वर, सौन्दर्य, प्रेम आदि से जातक के व्यक्तित्व को देखा जाता है। भगवान श्रीराम सौन्दर्य की अद्भुत प्रतिमा तथा प्रेम के अर्थ को समझने के लिए तीनों माताओं के प्रति श्रद्धा, भाइयों के प्रति अगाध स्नेह, सुमंत से लेकर समस्त अयोध्यावासियों के प्रति कर्तव्यपरायणता, सुग्रीव, विभीषण आदि अनगिनत मित्रों के प्रति चिरस्मरणीय स्नेहमूर्ति तथा भार्या जनकनंदिनी सीता के प्रति अलौकिक प्रीति ने ही उन्हें लंकापति रावण से युद्ध की अनिवार्यता स्वीकारी थी।

तृतीय भवन

पवन पुत्र हनुमानजी के इष्ट प्रभु श्रीराम की कुंडली के तृतीय भवन में कन्या राशिगत स्वक्षेत्री राहु विराजमान हैं। तृतीय भवन बन्धु, पराक्रम, शौर्य, योगाभ्यास, साहस आदि का मीमांसा का गृह है। भगवान श्रीराम का शौर्य, पराक्रम तो राम-रावण के भीषण युद्ध में परिलक्षित होकर सदैव अविस्मरणीय रहेगा। भ्रात प्रेम में तो प्रभु श्रीराम का भरत प्रेम, जो समस्त प्रेमों की ज्ञानगंगा है।

चतुर्थ भवन

कौशल्यानंदन श्रीराम की जन्म कुंडली के चतुर्थ भवन में तुला राशि में उच्च राशिगत शनिदेव विराजमान हैं। ज्योतिष ग्रंथों में चतुर्थ भवन से व्यक्ति के अन्तःकरण, सुख, शान्ति, भूमि, भवन बाग-बगीचा, निधि, दया, औदार्य, परोपकार, मातृ सुख आदि का निरूपण जातक की जीवन शैली में देखा जा सकता है। प्रभु श्रीराम की कुंडली का चतुर्थेश शुक्र, भाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं। उच्च राशिगत शनि प्रभु श्रीराम से मर्यादित जीवन के प्रति आग्रहशील हैं। भूमि, भवन का सुख तो चक्रवर्ती राजा के लिए सहज सुलभ हैं। अन्तःकरण की दृष्टि से सर्वत्र प्रेम का अनुग्रह तथा दया और औदार्यता महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या को श्रापमुक्त कर पाषाण से नारी रूप प्रदान करना तथा शबरी के जूठे बेर खाना औदार्यता का सुखद पक्ष है। मातात्रय कैकेयी, कौशल्या, सुमित्रा के प्रति मातृ भक्ति सदैव स्तुत्यणीय एवं प्रेरणास्पद रहेगी।

पंचम भवन

लवकुश के पिता प्रभु श्रीराम की जन्म कुंडली में पंचम भवन में वृश्चिक राशि है। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल सप्तम भवन में उच्च राशि में (मकर में) विराजमान हैं। पंचम भवन से जातक की संतान, स्थावर जंगम, हाथ का यश, बुद्धि चातुर्य, विवेकशीलता, सौजन्य तथा परीक्षा में यश प्राप्ति से जुड़ी है। लवकुश के रूप में महान प्रतापी पुत्र तथा स्थावर संपत्ति के रूप अयोध्या का चक्रवर्ती साम्राज्य एवं अपनी बुद्धि-विवेक के बल सीता की खोज में सुग्रीव से मित्रता, लंका विजय में लंकापति रावण के अनुज विभीषण का युद्ध के पूर्व लंकापति बनाने के लिए राजतिलक करना तथा मर्यादा में रहते हुए खरदूषण, कुम्भकरण, लंकापति रावण से लेकर अनेक आतातायी असुरों का वध कर रामराज्य की स्थापना करना बुद्धिचातुर्य की रहस्यमयी परिणिति के सिवा और क्या है?

असुर विजेता श्रीराम षष्टम् भवन

श्रीराम की जन्म कुंडली षष्टम् भवन धनु राशि अवस्थित है। षष्टम् भवन रोग, शत्रुओं से जातक की कथा व्यथा का सांकेतिक है। इस भाव से शत्रु कष्ट के अभाव से जुड़े प्रश्नों की रहस्यमयता को उजागर करते हैं। श्रीराम की कुंडली का षष्ठेश धनु राशि के स्वामी देव गुरु वृहस्पति लग्न भवन में कर्क राशिगत चन्द्रमा के साथ अपनी उच्च राशि (कर्क) में विराजमान होकर गजकेसरी योग बना रहे हैं। जिसका सामान्य भाषा में अर्थ है: वनराज सिंह हाथियों को अपनी एक हुंकार (गर्जना) में भगा देता है। गज याने हाथी, केशरी याने सिंह। गुरु विश्वामित्र से शस्त्र शिक्षा में अनेक रहस्यमयी विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया। जिसका सर्वप्रथम प्रयोग ताड़का और सुबाहु के वध के रूप में घटित हुआ। श्री रामचंद्र जी ने जहां जहां अपने पग रखे, वहां उन्हें यश मिला। शत्रु विजय सीता स्वयंवर से लेकर खरदूषण तथा वानरराज बालि तथा दशानन रावण तक अनेक शक्तिशाली अपराजेय योद्धाओं का वध किया।

तुलसी की रामचरित मानस में

खरदूषण मो सम बलबन्ता। मार सकें न बिनु भगवन्ता।

रावण संहिता में दशानन रावण ने धनु राशिगत षष्टम् भवन की व्याख्या करते हुए लिखा है ऐसा जातक शत्रुओं का घमंड चूर करने वाला तथा अपने बड़ों को मान देने वाला होता है। त्रेतायुगीन श्रीराम ने धरती पर आसुरी शक्तियों का तो नाश किया, साथ ही अपने गुरुओं, ऋषियों-मुनियों को यथेष्ठ सम्मान देकर उनका मान भी बढ़ाया है।

सप्तम भवनः सीता पति रघुनन्दन श्रीराम

रघुनन्दन श्रीराम की जन्म कुंडली के सप्तम भवन में मकर राशि में उच्च राशिगत भूमि पुत्र मंगल विराजमान हैं। सप्तमस्थ मंगल होने से श्रीरामजी की कुण्डली मंगली बन गई। मंगल पंचमेश और राज्येश है। गजकेशरी योग की सप्तम दृष्टि दाम्पत्य जीवन को भी प्रभावित कर रही है। जनकनंदिनी सीताजी से उनका विवाह धनुषभंजन के बाद हुआ, किन्तु भूमि पुत्र मंगल उच्चासीन होकर कह रहे हैं। जातक को दाम्पत्य जीवन का सुख तो दूंगा, किन्तु अल्पकालीन।

सप्तम भवनः पारिवारिक झगड़े तथा भूत, भविष्य, वर्तमान की स्थिति का सिंहावलोकन भी किया जाता है। मंथरा की षडयंत्रमयी योजना ने कैकेयी की मति भ्रष्ट की। परिणितीवश श्रीराम को वनगमन, सीताहरण, आसुरी शक्तियों का विनाश, लंका विजय के पश्चात् अध्योध्या में राजतिलक, वैदेही सीता का त्याग, ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में श्रीसीताराम के पुत्रों लव, कुश का जन्म, जनकनंदिनी सीता का भूमि में प्रवेश। ये सारे कथानक सप्तमस्थ उच्च राशिगत मंगल की चेष्टाओं का फल है।

श्री रघुनंदन का आयु भवन अष्टम भवन

श्रीराम जी की कुंडली में अष्टम भवन में कुम्भ राशि का स्वामी शनि चतुर्थ भवन में अपनी उच्चराशि तुला में विराजमान है। अष्टमेश शनि जातक की दीर्घायु का परिचायक है। किन्तु सप्तमेश और अष्टमेश शनि बलवान स्थिति में होकर जातक को दीर्घायु तो देता है, वहीं दूसरी ओर दाम्पत्य जीवन में अशुभता भी लाता है। साथ ही मृत्यु स्थान भी यह निर्धारित करता है। अष्टमेश शनि चतुर्थ भवन में होने से पारिवारिक विवाद के कारण वनगमन से सुख की हानि हुई। किन्तु वहां असुरों का विनाश कर यश मिला। रण रिपु अर्थात युद्ध क्षेत्रों में शत्रुओं का दमन भी किया। पृथ्वी से प्रस्थान के बाद चिरकाल तक यशोगाथा अनेक प्रतीकों में बनी रहेगी। यह भी उनके अष्टमेश उच्च राशिगत न्याय के देवता शनि की महिमा का फल है।

भाग्य भवनस्थ शुक्र

श्री राघव की कुंडली का भाग्य भवन कम चमत्कारी नहीं है। भाग्य भवन का स्वामी नवमेश गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में चन्द्रदेव की युति के साथ लगनस्थ है। भाग्येश गजकेशरी योग बन रहा है, लग्न भवन में। भाग्य भवन में उच्च राशिगत शुक्र चतुर्थेश तथा द्वादशेष का स्वामी है। माता से लेकर भूमि, भवन, वाहन (रथ) आदि सभी सुखों से पूरित रहे, किन्तु अपनी सप्तम् दृष्टि से पराक्रम भवन को निहारते शुक्र ने पराक्रम के प्रदर्शन का माध्यम नारी जाति को बनाया। शुक्र स्त्री ग्रह है। महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या की मुक्ति, रावण से युद्ध में विजयश्री प्राप्त कर अशोक वाटिका से जनक नंदिनी सीता जी की मुक्ति, बालि वध से सुग्रीव की पत्नी रोमा की मुक्ति, श्रीराम की यशोगाथा का एक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर आसुरी शक्तियों का नाश कर ऋषियों तथा जन-जन को निर्भय जीवन दिया, यह प्रभु श्रीराम के भाग्य भवन का पुण्य प्रताप ही तो था।

दसमस्थ सूर्य बुध

रघुनंदन श्रीराम की कुंडली के दसम भवन अर्थात राज्य भवन में सूर्य के साथ बुध की युति बुध आदित्य योग तो बना रहा है, किन्तु बुध व्ययेश होने से राजतिलक होते होते 14 वर्षीय वनवास का योग बन गया। व्ययेश बुध ने राजयोग खंडित किया, क्योंकि व्ययेश जिस भवन में विराजमान होता, उसे किंचित सम्मान की हानि तो देता ही है। बुध ने ही उन्हें पिता के सुख से वंचित किया। किन्तु सूर्य उच्च राशिगत होकर राजभवन में विराजने से गौरव, ऐश्वर्य एवं नेतृत्व का स्वामी बनाया। पिता की आज्ञा से वन गये। पिता का मान बढ़ाया। आसुरी शक्तियों के विनाश हेतु वानर जाति की सेना का नेतृत्व कर विजयश्री प्राप्त की। अधिकार प्राप्ति के रूप में सम्राट बने, अयोध्या के। ईश्वर प्राप्ति भी दसम भवन से देखी जाती है, तो जो स्वयं त्रिभुवनपति हो उसे अपनी भक्ति में लगाकर मोक्ष प्रदान कराने में बुध का योगदान महत्वपूर्ण है। क्योंकि द्वादश भवन मोक्ष का भवन भी है। अपनी भक्ति से अनेक साधु, संतों, भक्तों तथा पापियों को भी मोक्षगामी बनाने में पथ-पथ पर प्रेरणा दी। प्रभुता भी दसम भवन का एक गुण है। तो श्रीराम प्रभुता पाकर भी दीनों के प्रति भी सहृदय बने रहे, यही उनकी अनुग्रहमयी प्रभुता है। किन्तु स्मरणीय रहे। चतुर्थ भवन उच्चराशिगत शनि की सप्तम दृष्टि नीच राशि पर होने के कारण ही उन्हें वनवास में 14 वर्षीय वनवासी जीवन बिताना पड़ा। भले ही प्रकृति की रहस्यमयता आसुरी शक्तियों के विनाश के रूप में रूपांतरित हो गई हो। किन्तु मंगल की चतुर्थ स्वक्षेत्री दृष्टि और सूर्य के उच्च राशिगत प्रभाव से वनवास की समाप्ति के पश्चात पुनः राज्यारोहण ग्रहों की अपनी रहस्यमयी कलात्मक शक्तियों की ओजस्वीयता है।

एकादशः लाभस्थ भवन

एकादश भवन मूलतः लाभ, सम्पन्नता, वाहन, वैभव, स्वतंत्र चिन्तन के रूप में ज्योतिषीय ग्रंथों में स्वीकारा गया है। जन-जन के प्रभु श्री राम स्वतंत्र चिन्तन के रूप में नैसर्गिक अर्थात प्राकृतिक सम्पदाओं से मुक्ति का बोध कराते हैं। भक्तवत्सल श्रीराम का मानव से लेकर समस्त जीवों के प्रति उदार भाव तो था ही, किन्तु एकादशेष शुक्रभाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजने से सभी के प्रति करुणा भाव बनाए रखने के प्रति संकल्पित रहे। अवतारी होने के बाद भी अपनी मानवीय मर्यादा में बने रहे। एक पत्नी व्रतधारी होने से उन्होंने सम्पूर्ण नारी समाज को गरिमा प्रदान की। मित्रों को सहोदर की तरह मान दिया। शत्रुओं के प्रति भी मानवीय मूल्यों का क्षरण उन्होंने नहीं स्वीकारा। वचन बद्धता राघव की निष्ठा का अमोघ शस्त्र रही।

मोक्ष का पर्याय द्वादश भवन

पति राघव की कुंडली के बारहवें भवन में मिथुन राशि की स्थापना ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कथनी करनी में कहीं भी अवरोध पैदा नहीं होने दिया। द्वादश भवन से ज्ञान तन्तु, स्वभाव, शान्ति, विवेक, व्यसन, संन्यास, शत्रु की रोक तथा धन, सुख, सम्मान का व्यय आदि का लेखाजोखा देखा जाता है। द्वादश भवन में मिथुन राशि होने से सीता पति राघव भावुक थे। वैदेही हरण एवं लक्ष्मण को शक्ति लगने पर वे कैसे व्यथित हुए, यह तुलसीकृत रामायण में रोमांचकारी शब्द शैली में अंकित है। वनवास में राज सत्ता से 14 वर्षों तक दूर रहे, किन्तु पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना। सीता हरण में सुख और सम्मान का व्यय हुआ, किन्तु अपने विवेक से वानर सेना का नेतृत्व कर शत्रुओं पर रोक ही नहीं लगाई, अपितु उनका नाश भी किया। वनवासी राम ने एक संन्यासी के रूप में 14 वर्ष वनों में बिताए। किसी भी नगर में 14 वर्षों की अवधि में उन्होंने प्रवेश नहीं किया, ऐसे थे संन्यासी प्रभु श्रीराम।

ब्रह्माण्ड नायक प्रभु श्रीराम

राम, ब्रह्मवादियों का ब्रह्म, ईश्वरवादियों का ईश्वर, अवतारवादियों का अवतार, आत्मवादियों व जीववादियों का आत्म एवं जीव है। रामायण महाकाव्य बना। उतरोत्तर राम नाम के साथ साहित्य में भक्तिभाव का वातावरण बनता गया। ईसा के पांच सौ वर्ष के बाद इसका ज्यादा विस्तार हुआ तथा ईसा के एक हजार वर्ष बाद दाशरथि राम परमात्मा के रूप में गूंज गये। हमारी भारतीय सभ्यता के उषाकाल में साहित्य चार वेदों में था, जिनमें ऋग्वेद प्रथम था। वैदिक साहित्य में खेती की अधिष्ठात्री देवी का नाम सीता था, क्योंकि मूल में सीता लांगल पद्धति (खेत की हराई) थी। इसीलिए मिथिला में जनक के हल चलाते समय खेत में, जो नवजात बच्ची पाई गई, उसका नाम सीता रखा गया। ऋग्वेद में इक्ष्वाकु दशरथ और राम के नाम आए हैं। ऐतिहासिक ढंग से अध्ययन करने वाले प्रायः समस्त विद्वान एक स्वर में कहते हैं कि महाभारत तथा प्रचलित वाल्मीकि रामायण के पूर्व राम कथा संबंधी आख्यान प्रचलित थे। ये आख्यान निश्चित रूप से बुद्धकाल के आसपास के रहे होंगे। इसी आधार पर भारत (महाभारत का प्रथम रूप) तथा बौद्ध जातक कथाओं में राम कथा के अंश आये हैं। वाल्मीकि रामायण में महाभारत के पात्रों तथा कथानकों की चर्चा नहीं है, परन्तु महाभारत के प्राचीन अंशों में रामकथा के पात्रों की चर्चा है। महाभारत के शान्ति पर्व के 29 वे अध्याय के 12 वें श्लोक में नारद संजय को उपदेश देते हुए कहते हैं कि संसार में कौन नित्य रहने वाला है। सुना गया है कि दशरथ पुत्र राम बड़े प्रजापालक थे, किन्तु उन्हें भी इस संसार से जाना पड़ा। महाभारत में भी राम का अवतार रूप पहुंच गया था। बौद्ध साहित्य में अनामक जातकम् के नाम से अन्य कथा भी है, जिसमें राम कथा है, इस जातक में राम-सीता का वनवास, सीताहरण, जटायु वृतान्त, बाली और सुग्रीव का युद्ध, सेतु बन्ध, सीता की अग्नि परीक्षा, इन सभी के संकेत मिलते हैं।

वाल्मीकि रामायण और अवतारवाद

रामकथा के स्पुट रूप देशी भाषा में बुद्धकाल के थोड़े पूर्व से ही उत्तरी भारत में प्रचलित थे। ईसा से 300 वर्ष पूर्व वाल्मीकि ऋषि ने रामकथा के स्पुट रूप एवं लोकगीत को एक काव्य रूप में गुंफित किया। भगवतगीता के लेखक श्रीकृष्ण के मुख से कहलाते हैं: मैं शस्त्रधारियों में राम हूं। श्रामः षस्त्रभृतामहम् (गीता 10:31) तक राम की प्रसिद्धि केवल शस्त्रधारी योद्धा के रूप में थी। किन्तु श्रीकृष्ण को अवतार के रूप में मान्यता पहले मिल चुकी, बाद में श्रीराम को। अवतारवाद के विकास में छठी या सातवीं शताब्दी में महात्मा बुद्ध भी विष्णु के अवतार माने जाने लगे।

पुराण साहित्य

हरिवंश पुराण, मार्केंडेय पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, विष्णु पुराण, वायु पुराण, मत्स्य पुराण, भागवत पुराण, कूर्मपुराण आदि सभी पुराणों में भगवान श्रीराम को विष्णु का अवतार मानने की बात दोहराई गई है। इसके आगे वाराह पुराण (800 ई.) अग्नि पुराण तथा स्कंद पुराण (900 ई.), लिंग पुराण, गरूण पुराण (1000 ई.) वामन पुराण और भविष्य पुराण अधिक अर्वाचीन हैं। इन सब पुराणों में रामावतार तथा राम भक्ति का प्राबल्य होता गया।

रामायण साहित्य

योग वासिष्ठ महारामायण (11 वीं सदी), अध्यात्म रामायण (1500 ई.), अद्भुत रामायण (1600 ई.), आनंद रामायण (1600 ई.), तत्व संग्रह रामायण (1700 ई.), कालनिर्णय रामायण तथा अन्य रामायण जिसमें अपने अपने ढंग से राम चरित्र वर्णन है। अन्य बीस रामायणों की सूची:-

1. महारामायण (35000 श्लोक),
2. संवृत रामायण (2400 श्लोक),
3. अगस्त्य रामायण (16000 श्लोक),
4. ओम रामायण (32000 श्लोक)
5. राम रहस्य रामायण (22000 श्लोक),
6. मंजुल रामायण (120000 श्लोक)
7. सौ पद्म रामायण (62000 श्लोक),
8. रामायण महामाला (56000 श्लोक)
9. सौहार्द्र रामायण (40000 श्लोक),
10. रामायण मणिरत्न (3600 श्लोक)
11. शौर्य रामायण (62000 श्लोक),
12. चान्द्र रामायण (75000 श्लोक)
13. भैंद रामायण (52000 श्लोक),
14. स्वायंभुव रामायण (18000 श्लोक)
15. सुब्रह रामायण (32000 श्लोक),
16. सुवर्चस रामायण (15000 श्लोक)
17. देव रामायण (100000 श्लोक),
18. श्रमण रामायण (125000 श्लोक)
19. दुरन्त रामायण (61000 श्लोक),
20. रामायण चंपू (15000 श्लोक)

महाकाव्य रामायण

वाल्मीकि रामायण का कवि जगत में बहुत प्रभाव पड़ा और राम कथा लिखने की एक बाढ़ सी आ गई। ईसा की चौथी शताब्दी से संस्कृत ललित (श्रृंगार प्रधान) साहित्य में महाकाव्य, नाटक, खण्ड काव्य आदि लिखे जाने लगे।

विदेशी भाषाओं में राम कथा

1. तिब्बती रामायण (800 ई.),
2. खेतानी रामायण (900 ई.)
3. रामायण कविन (इंडोनेशिया 1000 ई.)
4. हिकायत सेरीराम
5. राम केलिंग, 6. पतानी राम कथा
7. सेरत कांड, 8. रामकेर्ति
9. रामकियेन, 10. राम गायन (1800 ई.)

पाश्चात्य भाषा में श्रीराम कथा

1. लिब्रो डा सैंटाः लेखकः जे. फेनिचियों (1609 ई.),
2. दि ओपन दोरेः लेखक ए. रोजेरियुस (1700 ई.)
3. आफगोडैरैयउर इण्डिषेहाइडेनन: लेखक पी. बलडेयुस (1700 ई.),
4. असियाः लेखक ओ. डेप्पर (1700 ई.)
5. असिया पोर्तुगेसाः लेखक डे फरिया (1700 ई.),
6. रलसियों डे एरयर (1700 ई.)
7. ला जानिटिलिटे डु वेंगाल (1700 ई.),
8. पुर्तगाली वृतांत, क (1700 ई.)
9. पुर्तगाली वृतांत, ख (1800 ई.), 10.पुर्तगाली वृतांत, ग (1800 ई.)
11. ट्रावल्स इन इंडियाः लेखक जे. पी. टापर्निये (1700 ई.),
12. वोयाज ओस एन्ड आरियन्टालः लेखक एम सोनेरा (1800 ई.)
13. मिथोलॉजी डेस इण्डूः लेखक डे. पोलियो (1800 ई.),
14. हिन्दू मेनर्स, कस्टम एन्ड सेरेमोनिसः लेखक जे. ए. दुब्बा (1900 ई.)
15. इलवियाजियो अल इन्डिये आरियेन्टालिः लेखक पी. एफ विनजेनजा मरिया (1700 ई.)
16. स्टोरिया डी मोगोरः लेखक एन. मनुच्ची (1700 ई.)
17. हिस्तोरिया दो मालावारः लेखक दिओगो गोंसाल्वेस (1700 ई.)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail–com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समाज पर होंगे दूरगामी व्यापक प्रभाव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री नई दिल्ली में दीनदयाल शोध संस्थान के सेमिनार में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विविध प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव हो सकते है। उन्होंने बताया कि शालेय जीवन में जिस प्रकार से विज्ञान के वरदान अथवा अभिशाप होने पर चर्चा की जाती थी, कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में भी रोजगार को लेकर इसी प्रकार के प्रश्न उठते थे। वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में भी विभिन्न धारणाएं बन रही हैं, जिनसे इस अत्याधुनिक तकनीक को आशीर्वाद और संकट दोनों ही रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा जताई कि इसके समाज पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान को इस गहन विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान द्वारा दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक प्रभाव' विषय पर आयोजित सेमिनार के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई आने से यह धारणा बनी है कि इससे बहुत सी नौकरियां खत्म हो जायेंगी। उन्होंने कहा कि जब कम्प्यूटर आये थे, तो यह ही डर बना था। लेकिन जैसे उस वक्त नौकरियां पैदा हुई वैसे ही आज एआई नई नौकरियां पैदा कर रहा है और मौजूदा नौकरियों को बदल रहा है। खासतौर पर डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में यह तकनीकी व्यवसायों को नये उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने और उनकी दक्षता में सुधार करने में मदद कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक है, जिसके सामाजिक प्रभाव बहुत गहरे हैं। हमें इस पर विचार करना चाहिये कि किस तरह हम इसे वरदान बनाये। सेमिनार में केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद, नीति आयोग के सदस्य श्री वी.के. सारस्वत, दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव श्री अतुल जैन, आरआईएस के महानिदेशक श्री सचिन चतुर्वेदी ने भी सत्र में अपने विचार रखे। संस्थान की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के खतरों से सतर्क रहना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति हमें सुख, संतोष, आनंद और मोक्ष का रास्ता दिखाती है। हमारी संस्कृति की गहराइयों में ज्ञान परंपरा हमेशा से विद्यमान रही है। आध्यात्म और दर्शन की दृष्टि से भारत ने हर काल में आचार्यों, ऋषियों और मुनियों से प्राप्त ज्ञान, बुद्धि और मेधा के आधार पर जीवन के नियम बनाए और इनका पालन किया है। आधुनिक दौर में अधिक आवश्यक हो गया है कि नवीनतम ज्ञान और तकनीक की दिशा में आगे बढ़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमेशा नवीनतम तकनीक का स्वागत करते हैं और तकनीक की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसी नई तकनीक के फायदे के साथ खतरे भी होते हैं जिसके लिए सतर्कता बरतना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करते हैं, परंतु अन्याय से सावधान रहना भी ज़रूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित 'सोशल इंप्लीकेशन्स ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर 12वें नानाजी स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत रत्न नानाजी देशमुख ने भारतीय संस्कृति, सर्वहित और समाज परिवर्तन के संकल्प के साथ दीनदयाल उपाध्याय के जीवनदर्शन को लेकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्था द्वारा आयोजित नानाजी स्मृति व्याख्यान में एक राजनेता के रूप में विचार रखना उनके लिए अलग अनुभव रहा है।

मध्यप्रदेश पुलिस के 22 इंस्पेक्टर के तबादले, पीएचक्यू से आदेश जारी

भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने पुलिस स्थापना बोर्ड के अनुमोदन के बाद 22 अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए। इस लिस्ट में इंस्पेक्टर्स और कार्यवाहक इंस्पेक्टर्स शामिल हैं। प्रदेश में तबादलों का क्रम जारी है। पुलिस विभाग में तबादलों की प्रक्रिया चल रही है। उसी के तहत सरकार ने पुलिस इंस्पेक्टर्स के तबादले किए। जारी तबादला सूची में 22 नाम शामिल हैं जिन्हें एक जिले से दूसरे जिले में पदस्थ किया गया। तबादला आदेश में कहा गया कि ये तबादले पुलिस स्थापना बोर्ड से अनुमोदन के बाद अस्थाई रूप से अगले आदेश तक के लिए जारी किए गए। इंस्पेक्टर्स और कार्यवाहक इंस्पेक्टर्स को कार्य का आवंटन उनकी पदस्थापना वाले जिले में आमद के बाद किया जाएगा।

सक	नाम (सर्वश्री–श्री)	पदनाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
01	शिवसिंह यादव	निरीक्षक	जिला शिवपुरी	जिला भिण्ड
02	गोपाल सिंह सिकरवार	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला श्योपुर	जिला भिण्ड
03	गायत्री सोनी	निरीक्षक	जिला खण्डवा	जिला रतलाम
04	गौरव सिंह दोहरे	कार्यवाहक निरीक्षक	अजाक पुमु भोपाल	जिला भोपाल(नगरीय)
05	उमेश उपाध्याय	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला भिण्ड	जिला शिवपुरी
06	उमेश कुमार गोलहानी	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला छिंदवाडा	जिला जबलपुर
07	हितेश कुमार पाटिल	निरीक्षक	जिला उज्जैन	जिला देवास
08	अन्द्रेयस कटारा	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला उज्जैन	जिला आगर–मालवा
09	राजवीर सिंह गुर्जर	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला उज्जैन	जिला भिण्ड
10	गजेन्द्र पचोरिया	कार्यवाहक निरीक्षक	पीटीएस उज्जैन	जिला उज्जैन
11	गगन बादल	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला आगर–मालवा	जिला उज्जैन
12	लक्ष्मण सिंह देवडा	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला आगर–मालवा	जिला उज्जैन
13	प्रहलाद सिंह दलोदिया	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला उज्जैन	जिला आगर–मालवा
14	अमर सिंह सिकरवार	निरीक्षक	जिला मुरैना	जिला ग्वालियर
15	विकास खिची	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला खण्डवा	जिला सीहोर
16	सुनील कुमार मेहर	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला भोपाल (नगरीय)	जिला सीहोर
17	विजय राजपूत	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला सागर	जिला बालाघाट
18	उमेश कुमार तिवारी	निरीक्षक	जिला नरसिंहपुर	जिला बुरहानपुर
19	अमित कुमार दाणी	निरीक्षक	अआवि पुमु भोपाल	जिला पांढुर्णा
20	जानकी प्रसाद कोदार / ठाकुर	निरीक्षक	जिला रीवा	जिला सागर
21	विनय आर्य	निरीक्षक	जिला बुरहानपुर	जिला इंदौर(ग्रामीण)
22	शिव प्रताप सिंह राजावत	कार्यवाहक निरीक्षक	जिला भिण्ड	जिला अशोकनगर

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रामनवमी पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

केंद्रीय कृषिमंत्री एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने भोपाल स्थित आवास पर रामनवमी का पर्व अपनी धर्मपत्नी साधना सिंह के साथ कन्या पूजन एवं कन्या भोजन कराके मनाया।

न्यू मार्केट के खेड़ापति मंदिर में रामनवमी का पवन पर पूजा अर्चना कर धूमधाम से मनाया गया

भोपाल के कटारा हिल्स पर रामनवमी पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने पूर्व मंत्री पटेल के पिता के निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल के अमरपाटन स्थित निवास पहुंचकर पटेल के पिता के नधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार से मिलकर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण की कार्यशाला कल से

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह की अध्यक्षता में जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की दो दिवसीय प्रशिक्षण सह-उन्मुखीकरण कार्यशाला 7 एवं 8 अप्रैल को आयोजित की गई है। प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला में संभागीय एवं जिला अधिकारी भाग लेंगे। प्रशिक्षण कार्यशाला में मैदानी स्तर पर तैनात अधिकारियों को विभाग के दैनंदिनी कार्यों के साथ विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में आई.टी के उपयोग एवं ई-ऑफिस प्रशिक्षण के रूप में एम.पी. टॉस्क पोर्टल के लाइव का प्रशिक्षण शामिल किया है। दूसरे दिन विधि संगत प्रकरणों, अनुदान, सी.एम. हेल्प लाइन प्रकरणों के निराकरण एवं विशेष प्रकरणों में खात्मे एवं लेखा विषयों पर संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने सलकनपुर मंदिर में परिवार सहित दर्शन व पूजन किया

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को परिवार सहित नवरात्र के पावन पर्व पर प्रसिद्ध सिद्धपीठ श्री बिजासन धाम, सलकनपुर में मां बिजासन देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान शिवराज सिंह ने कहा कि मैया की कृपा से सम्पूर्ण राष्ट्र और देशभर के किसानों के जीवन में सुख-समृद्धि और शुभत्व का वास हो, प्रत्येक व्यक्ति खुशहाल हो, यही कामना करता हूं।

आरती दशरथ नंदन की

आरती दशरथ नंदन की।
सियापति रघुकुल चंदन की ।।
अंग पर नील कांति छायी।
सूर्य सी आभा सुखदायी।
मनोहर छबि अति मन भायी।
कमल से नयन, विमल है वरन, सुकोमल चरन,
सत्यचित आनँद कंदन की ।।
सियापति रघुकुल चंदन की ।। 1।।
शीश पर कंचन मुकुट धरे।
कान में कुंडल रतन जड़े।
गले में मणिमाला पहिरे।
लिये शर चाप, हरें संताप, नसायें पाप,
हरें बाधा भव बंधन की ।।
सियापति रघुकुल चंदन की ।। 2 ।।
वाम अँग सोहें जनक लली।
संग लक्ष्मण बजरंग बली।
भरत रिपुहन छबि लगे भली।
अयोध्या भूप, मनोहर रूप, छटा है अनूप,
शील गुण निधि जग वंदन की ।।
सियापति रघुकुल चंदन की ।। 3 ।।
सुबाहू खर दूषण मारे।
जटायू बाली उद्धारे।
दशानन रावण संहारे।
विडारे दनुज, उबारे मनुज, किये सब निरुज,
देव प्रिय असुर निकंदन की ।। 4 ।।
आरती प्रभु की जो गाये।
पाप सब पल में मिट जाये।
राम वल्लभ मन हर्षाये।
नवायें माथ, जगत के नाथ, बढ़ाओ हाथ,
शरण दीजे निज चरणन की ।।
सियापति दशरथ नंदन की ।। 5 ।।

डॉ. राम वल्लभ आचार्य, भोपाल

प्रधान मंत्री पद के लिए उम्र की सीमा का विवाद निरर्थक

आलोक मेहता

दुनिया के शक्तिशाली नेता डोनाल्ड ट्रम्प , व्लादिमीर पुतिन , शी जिन पिंग को क्या उम्र के आधार पर अमेरिका , रुस और चीन की जनता ही नहीं दुनिया स्वीकारती या अस्वीकारती है ? ट्रम्प 79 पार हैं , पुतिन और शी जिन पिंग 70 पार कर चुके हैं 7 इस समय भारत में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा सत्ता या प्रतिपक्ष में कौन सा ऐसा नेता हैं , जो इन महाशक्तियों की क्षमता और कमजोरियों को करीब से समझते जानते हों और उनके साथ भारत का पलड़ा भारी रखकर संवाद कर सकता हो ? मोदी को देश में भी जितनी व्यापक लोकप्रियता है , वह भी देश दुनिया के लोग समझते हैं। शायद यही कारण है कि उनके घोर कुछ विरोधी नेता , कुछ संगठन या विदेशी ताकतें नरेंद्र मोदी को सितम्बर में 75 वर्ष की आयु में प्रवेश करने पर प्रधान मंत्री पद से हटने की निरर्थक बातें उठा रहे हैं। भ्रम यह फैलाया जा रहा है कि 2014 में उन्होंने या भाजपा ने स्वयं महत्वपूर्ण पदों के लिए यह आयु सीमा तय की थी। आप दस ग्यारह नहीं पंद्रह वर्षों का प्रिंट , आडिओ , वीडियो का रिकॉर्ड छान लीजिये , कहीं ऐसी कोई स्पष्ट घोषणा नहीं मिलेगी।

इसके साथ पिछले दशकों के पूर्व प्रधान मंत्रियों या पद के दावेदार शीर्ष नेताओं की उम्र का रिकॉर्ड देख लीजिये। इमरजेंसी के बाद 1977 में भारी बहुमत से आई जनता पार्टी के प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई 81 वर्ष के थे। यदि पार्टी में विद्रोह नहीं होता , तो वह 86 वर्ष की उम्र में अपना कार्यकाल पूरा करते। विद्रोही नेता के रुप में कांग्रेस के भ्रामक समर्थन से 1979 में प्रधान मंत्री बने चौधरी चरण सिंह 76 वर्ष के थे। इसी तरह पुराने कांग्रेसी कम्युनिस्टों का समर्थन लेकर प्रधान मंत्री बने इन्दर कुमार गुजराल 1997 में 77 वर्ष की आयु में प्रधान मंत्री बने। भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी जब 1999 में पुनः प्रधान मंत्री बने तो 74 वर्ष के थे और 2004 में 79 के हो गए थे। उनके बाद कांग्रेस गठबंधन के डॉक्टर मनमोहन सिंह 71 की उम्र में बने और 2014 में 81 वर्ष की आयु तक प्रधान मंत्री पद पर आसीन रहे। भाजपा यदि 2009 में सत्ता में आ जाती और यदि पार्टी लालकृष्ण आडवाणी को अपना प्रधान मंत्री बनाती तो उनकी उम्र 82 वर्ष की थी और पांच साल राज भी राज करते तो 87 के हो चुके होते। दूसरे प्रबल दावेदार और पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी भी 80 पार कर चुके थे। इन सभी नेताओं को अपनी पार्टी और जनता में अच्छा स्थान भी रहा। इसलिए उम्र से राजनीतिक पद पर रहने या रिटायर होने का निर्णय पार्टियां , जनता और नेता स्वयं तय कर सकते हैं। केवल जोड़ तोड़ , डिश में अस्थिरता अराजकता और भ्रष्टाचार के लिए पदासीन प्रधान मंत्री को हटाने की किसी भी मुहीम को सही समय पर रोकने की जरुरत होती है। हाँ दूसरी पंक्ति यानी भविष्य के नेतृत्व तैयार करने का काम पदासीन प्रधान मंत्री और उनकी पार्टी को अवश्य करते रहना चाहिए। पुराना इतिहास गवाह है कि अति महत्वाकांक्षी नेता जोड़ तोड़ या षडयंत्रों से प्रधान मंत्री नहीं बन सकते और किसी कारण से बन भी गए तो अधिक समय तक पद पर टिके नहीं रह सकते। उदाहरण के लिए कांग्रेस के बड़े दावेदार यशवंतराव चव्हाण , जगजीवन राम , हेमवती नंदन बहुगुणा , शरद पवार , अर्जुन सिंह जैसे नेताओं की तत्कालीन गतिविधियों के गवाह हम जैसे पत्रकार भी हैं। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने राजीव गाँधी की भारी बहुमत वाली सरकार गिराकर प्रधान मंत्री पद पाया तो कितने समय टिके और खुद की पार्टी का क्या हश्र हुआ ? बहरहाल इस वर्तमान विवाद का एक कारण भाजपा के पिछले कुछ कुछ राजनीतिक निर्णय अवश्य माने जा सकते हैं। वैसे तो भाजपा की ऐसी कोई नीति नहीं है कि शीर्ष पद के लिए उम्र निर्धारित हो। लेकिन अतीत में लालकृष्ण आडवाणी, सुमित्रा महाजन से लेकर मुरली मनोहर जोशी जैसे नेता भी 75 साल की उम्र के बाद राजनीति से हट गए थे। मई 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के 75 साल के होने के बाद रिटायरमेंट अफवाएं अरविन्द केजरीवाल जैसे नेताओं दवरा उड़ाई गई थी। वरिष्ठ नेता अमित शाह और राजनाथ सिंह ने ऐसी अफवाह का खंडन किया था 7 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था , मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी और पूरे इंडिया ब्लॉक को बताना चाहूंगा कि आपको इस बात से खुश होने की कोई जरूरत नहीं है कि मोदी जी 75 वर्ष के हो रहे हैं भाजपा के संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि आपको रिटायर होना है। मोदी जी कार्यकाल पूरा करेंगे और देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इस पर बीजेपी में कोई भ्रम नहीं है।वहीं भारतीय संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री को लोकसभा के लिए चुने जाने पर कम से कम 25 साल या राज्यसभा के लिए चुने जाने पर 30 वर्ष की आयु जरूरी है और संविधान में प्रधानमंत्री की अधिकतम आयु या रिटायरमेंट के बारे में कोई नियम नहीं है।

भाजपा ने कभी भी इस 75 पार वाले नियम को लिखित में दर्ज नहीं किया, लेकिन यह बात 2014 से ही चर्चा में रही। 2016 में इसी आधार पर गुजरात की तत्कालीन मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने गुजराती में लिखी एक फेसबुक पोस्ट में पार्टी नेतृत्व से अनुरोध किया था कि उन्हें इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए क्योंकि वे नवंबर में 75 वर्ष की होने वाली थीं।2016 में भी आनंदीबेन पटेल के फैसले को पार्टी नेतृत्व के 75 साल से अधिक उम्र के नेताओं को रिटायर करने के अघोषित नियम से जोड़कर देखा जा रहा था लेकिन उन्हें और कलराज मिश्र जैसे नेता राज्यपाल बने। इससे पहले जुलाई, 2016 में नजमा हेपतुल्ला ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था, जो तब 76 साल की थीं. इनके अलावा यशवंत सिन्हा, उत्तराखंड के पूर्व सीएम बीसी खंडूरी, जसवंत सिंह, अरुण शौरी, लालजी टंडन, कल्याण सिंह, केशरी नाथ त्रिपाठी समेत कई नेता उम्र की वजह से सक्रिय राजनीति से दूर हो गए 7 दूसरी तरफ 75 पार करने के बावजूद कर्णाटक में येदुरप्पा को मुख्यमंत्री बनाया गया।

अब नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री पद पर रहते हुए नागपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मुख्यालय जाने और सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ कार्यक्रम में रहने पर उद्धव ठाकरे गुट की शिव सेना के संजय राउत और सोशल मीडिया में मोदी के रिटायरमेंट प्लान की अफवाहें चलाई गई 7 तब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने उद्धव ठाकरे की पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत की बात का जवाब देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी 2029 में भी प्रधानमंत्री बनेंगे। उनका यह बयान संजय राउत के बयान की प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि भाजपा की आगे की राजनीति की दिशा उन्होंने मोदी को भाजपा का पिता कहा और इस बात पर जोर दिया कि पिता के रहते उत्तराधिकारी की चर्चा नहीं होती है। फड़नवीस ने कहा कि पिता के रहते उत्तराधिकारी की चर्चा मुगल संस्कृति में होती है। सो, फड़नवीस के हिसाब से मोदी 'मैन ऑफ द फैमिली' हैं, पिता हैं और वे प्रधानमंत्री बने रहेंगे। यह पहले से लग रहा था कि जिस 75 साल के सिद्धांत के आधार पर भाजपा के कई पुराने नेता रिटायर हुए वह मोदी पर लागू नहीं होगा। मोदी न केवल संघ के सिद्धांतों और हिंदुत्व के आदर्शों को क्रियान्वित कर रहे , जन कल्याण की अनेक योजनाओं को लागू करके लोकप्रियता के शिखर पर हैं अब फड़नवीस की बातों ने इस पर मुहर लगा दी है।

तो मध्यप्रदेश को अब विक्रमादित्य से पहचानेगा देश

कौशल किशोर चतुर्वेदी

विक्रमादित्य के नाम से उज्जयिनी को तो जाना जाता है, लेकिन अब मध्यप्रदेश को विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव ने विक्रमादित्य की जीवनगाथा को जन-जन तक पहुंचाया है। और अब अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाने के लिये 2 हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य द्वारा सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति पर केन्द्रित महानाट्य की प्रस्तुति दिल्ली के लाल किले पर 12-13-14 अप्रैल को होने जा रही है। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सोच और प्रयासों से ही संभव हो रहा है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत से विकास की ओर' ध्येय वाक्य पर अमल के जरिए जन-जन के विचारों में विक्रमादित्य आदर्श शासक के रूप में स्थापित होंगे।

सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल सुशासन व्यवस्था का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। विक्रमादित्य द्वारा किये गये नवाचार और कार्य आज भी प्रासंगिक हैं। 2000 साल पहले सम्राट विक्रमादित्य ने गणतंत्र की स्थापना की थी।विक्रमादित्य की दानशीलता, वीरता और प्रजा के प्रति अद्भुत संवेदनशीलता थी। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता आदर्श उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वह विकास कार्यों में विरासत को महत्वपूर्ण स्थान दे रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार सुशासन को ध्यान में रखते हुए विकास और जनकल्याण की सभी गतिविधियां संचालित कर रही है। सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए महानाट्य की कल्पना की गई है।

महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्यप्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास सराहनीय है। सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल, सुशासन व्यवस्था का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है। वे एकमात्र ऐसे शासक थे, जिनके जीवन के विविध प्रसंगों से आज भी लोग प्रेरणा लेते हैं। उनके द्वारा किए गए कार्य और नवाचार आज भी प्रासंगिक हैं। वर्तमान में हिजरी और विक्रम संवत प्रचलन में हैं। इसमें विक्रम संवत उदार परंपरा को लेकर चलने वाला संवत है, अर्थात संवत चलाने वाले के लिए शर्त है कि जिसके पास पूरी प्रजा का कर्ज चुकाने का सामर्थ्य हो, वही संवत प्रारंभ कर सकता है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने सुशासन, व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहन और दूरदृष्टि से यह संभव किया विक्रमादित्य ने विदेशी शक आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रारंभ 57 ईस्वी पूर्व में किया था। विक्रम संवत के 60 अलग-अलग प्रकार के नाम हैं। संवत 2082 को धार्मिक अनुष्ठानों के संकल्प में सिद्धार्थ नाम दिया गया है। ये 60 नाम चक्रीकरण में बदलते रहते है। विक्रमादित्य का न्याय देश और दुनिया में प्रचारित हुआ। यह सम्वत् भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आधार वाला कालगणना सम्वत् बन गया, जो आज भी प्रचलित है।

इतिहास पढ़ने वालों ने विक्रमादित्य के बारे में पढ़ा है। पर वर्तमान पीढ़ी कहीं न कहीं विक्रमादित्य के बारे में अनभिज्ञ है। ऐसे में मध्यप्रदेश सरकार के यह प्रयास निश्चित तौर पर सम्राट विक्रमादित्य को जन-जन तक पहुंचाएंगे। मध्यप्रदेश विरासत से विकास का अध्याय लिखेगा तो विक्रमादित्य के नाम से मध्यप्रदेश को पहचाना जाएगा। यह मध्यप्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है

6 अप्रैल 1929: महाशय राजपाल का बलिदान

स्वाभिमान और आर्य संस्कृति की रक्षा के लिये जीवन समर्पित

रमेश शर्मा

दासता के दिनों में भारतीय अस्मिता पर चौतरफा हमला हुआ है। आक्रांताओं ने केवल सत्ताओं को ही ध्वस्त नहीं किया अपितु भारतीय संस्कृति और साहित्य को भी विकृत करने का प्रयास किया है। एक ओर यदि भारतीय जन स्वाधीनता संघर्ष के लिये आगे आये तो दूसरी ओर भारतीय साहित्य और संस्कृति को सहेज कर संकलित करने वालों की भी एक लंबी श्रृंखला रही है। महाशय राजपाल ऐसे ही बलिदानी थे जिन्होंने आर्य साहित्य को सहेजकर प्रकाशन करने के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया।

वे आर्य साहित्य के प्रमुख प्रकाशक थे। उन्होंने अपना जीवन आर्य साहित्य के संकलन, युवाओं में संस्कार और भय अथवा लालच से मतान्तरित व्यक्तियों की घर वापसी में लगाया था और यही उनकी हत्या का कारण बना।

महाशय राजपाल का जन्म आषाढ़ कृष्ण पक्ष पंचमी विक्रम संवत 1942 (2 जुलाई 1885) को अमृतसर में हुआ था।

उनके बचपन का नाम घसीटाराम था।उनके पिता लाला रामदास खत्री एक छोटे व्यवसायी थे। परिवार भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं के प्रति समर्पित था। राजपाल जी बचपन से बहुत संवेदनशील और कुशाग्र बुद्धि थे। पढ़ाई में भी सदैव प्रथम आते। राजपाल जी जब छोटे ही थे, तब अचानक उनके पिता कहीं गायब हो गये। उनकी किसी ने हत्या की या वे स्वयं किसी कारण घर परिवार छोड़कर चले गये यह रहस्य सदैव बना रहा। पिता के चले जाने से परिवार गहन आर्थिक संकट में आ गया। माँ ने भी छोटे मोटे काम किये और राजपाल जी ने भी। इस प्रकार परिवार आगे बढ़ा। इसी संघर्ष में उन्होंने मिडिल परीक्षा उत्तीर्ण कर काम की तलाश की। उनकी आवश्यकता वैद्य फकीर चंद जी यहाँ पूरी हुई। फकीरचंद जी अमृतसर में एक प्रसिद्ध वैद्य और आर्यसमाज के कार्यकर्ता थे। उनको एक सहायक की आवश्यकता थी। और राजपाल जी को काम की खोज थी। अतएव दोनों की आवश्यकता पूरी हुई। राजपाल जी बारह रुपये मासिक पर उनके सहयोगी हो गये। और आर्यसमाज से भी जुड़ गए। अपने कार्य के प्रति समर्पण, जिज्ञासु स्वभाव के चलते उन्होंने न केवल वैद्य जी के हृदय में अपितु आसपास के क्षेत्र में भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान बना लिया था। राजपाल नाम इन्हीं वैद्य फकीरचंद जी ने दिया। वे अपने चिकित्सा व्यवसाय के साथ भारत राष्ट्र के मूल्यों और आर्य समाज के सिद्धांतों के प्रति जागरूकता का कार्य करते थे। एक ओर जहाँ युवकों में साँस्कृतिक जागरण का अभियान चलाये हुये थे वहीं 1905 से स्वदेशी आँदोलन भी जुड़ गये। वैद्य जी ने इस काम में राजपाल जी भी जोड़ लिया। राजपाल जी ने युवाओं से संपर्क किया और एक टोली बना ली। यह टोली पूरे नगर में घूम घूम कर युवाओं को संस्कारों से जोड़ने का कार्य करने लगी। इसके लिये सांस्कृतिक और मानवीय विन्दुओं को तार्किक तरीके से लोगों को समझाकर अपने धर्म और परंपरा से जोड़ने का अभियान चला। उन्होंने यह कार्य अमृतसर से लाहौर तक फैलाया। इस अभियान से उन लोगों को कठिनाई हुई जो कुतर्क के आधार पर युवाओं को सनातन परंपरा से तोड़कर मतान्तरण का अभिमान चला रहे थे। कयी बार सार्वजनिक शास्त्रार्थ भी हुये। पर राजपाल जी अध्ययन बहुत करते थे। उनकी तार्किक क्षमता भी अद्भुत थी इसीलिए हर बार वे ही भारी पड़ते। उन्होने प्रतिदिन रात्रि आठ बजे युवाओं की एक संस्कार बैठक करने की परंपरा भी आरंभ की और एक संगठन भी बनाया जिसका नाम ÷सुधार सभा÷ रखा। राजपाल जी इस सभा में बच्चों और युवाओं को व्यक्तित्व और जीवन निर्माण के लिए संस्कारों के अनुरुप जीवन जीने का संदेश देते थे। इस सभा में मांस-भक्षण, तम्बाकू व मदिरा पान आदि से दूर रहने का आव्हान होता। इस सभा के प्रचार से अनेक युवकों ने दुर्व्यसनों का परित्याग किया। कितने ही युवक कुसंगति से बचे।समय के साथ विवाह हुआ और राजपाल जी लाहौर आ गये। यहाँ उन्होंने दो संस्थाएँ बनाई एक ÷आर्य पुस्तकालय और दूसरी ÷सरस्वती प्रकाशन÷। सरस्वती उनकी पत्नि का नाम था। सरस्वती प्रकाशन पत्नि के नाम पर ही रखा था। उन दिनों पंजाब में हिन्दी का प्रचलन बहुत कम था। अधिकतर पुस्तकें उर्दू या पंजाबी में ही प्रकाशित होती थीं। हिन्दी के प्रकाशक भी नगण्य थे। इस बात को भाँप कर राजपाल ने 'आर्य पुस्तकालय' तथा 'सरस्वती आश्रम' नामों से हिन्दी के प्रचार का अभियान छेड़ा। राजपाल जी ने उन विपरीत परिस्थिति में हिन्दी के स्तरीय प्रकाशन का आयाम स्थापित किया वह अपने आप में एक आश्चर्यजनक है।उनका सौम्य और आत्मीय व्यवहार सबको प्रभावित करता। यहाँ उन्हें सबलोग महाशय संबोधन से पुकारने लगे। अब उनका नाम महाशय राजपाल हो गया।

1920 और 1930 के दशक में महाशय राजपाल ने चार भाषाओं में एक साथ स्तरीय पुस्तकें प्रकाशित कीं। हिन्दी और उर्दू में उनके द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या 200 से ऊपर थी। वे स्वयं अच्छे लेखक एवं कुशल सम्पादक थे। अनेक पुस्तकें स्वयं लिखीं तथा अन्य लेखकों के लेखों तथा भाषणों का संपादन और प्रकाशन किया। समय के साथ स्वामी श्रद्धानन्द से जुड़े और न केवल स्वामी जी के पत्र 'सद्धर्म-प्रचारक' में सहायक सम्पादक बने अपितु स्वामी जी शुद्धीकरण अभियान में सहभागी भी बन गये। । कालान्तर में वे लाहौर से निकलने वाले साप्ताहिक %प्रकाश% के वर्षों सह-सम्पादक रहे। इसी पृष्ठभूमि के साथ उन्होंने राजपाल प्रकाशन संस्था गठित कर पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में भी पदार्पण किया। लाहौर में उन दिनों हिन्दी प्रकाशन आरंभ करना सरल नहीं था। तब इस व्यवसाय में संघर्ष अधिक और पैसा कम था। लगभग पन्द्रह वर्षों के अपने प्रकाशकीय जीवन में उन्होंने अनेक हिन्दी पुस्तकों के प्रकाशन किए और सुदूर देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों तक उन्हें पहुंचाने का काम भी किया। उनके प्रकाशन मॉरिशस, फिजी, पूर्वी अफ्रीका, ब्रिटिश तथा डच गयाना आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में जाते थे। पुस्तकों के माध्यम से भारतीय विचारधारा और संस्कृति के संदेशवाहक साहित्य के निर्यात में भी उनकी ऐतिहासिक भूमिका रही थी। स्वामी श्रद्धानंद जी सानिध्य के कारण वे कुछ कट्टरपंथियों के निशाने पर तो आ ही गये थे। स्वामी श्रद्धानंद जी की हत्या की उन्होंने कठोर शब्दों में निंदा की और लेख भी लिखे। इससे उनके विरुद्ध गुस्सा और बढ़ा। तभी लाहौर में एक घटना घटीउन्हीं दिनों लाहौर के बाजार में दो पुस्तकें आईं। जिनमें भारतीय मान विन्दुओं पर अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियाँ थीं। एक पुस्तक का नाम 'कृष्ण तेरी गीता जलानी पड़ेगी' और दूसरी पुस्तक का नाम 'उन्नीसवीं सदी का महर्षि' था। पहली पुस्तक में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण और दूसरी पुस्तक में महर्षि दयानन्द सरस्वती पर बहुत ही भद्दे और अश्लीलता से भरा कीचड़ उछाला गया था।सनातन परंपरा और उसके आदर्शों पर इस प्रकार कीचड़ बाजी पहली नहीं थी। उन दिनों लाहौर में आम बात थी। इस प्रकार का प्रचार उस समूह की ओर से होता था जो युवाओं के मतान्तरण का अभियान चला रहा था। लेकिन इस बार इसके उत्तर में एक पुस्तक बाजार में आई जिसमें पैगंबर साहब पर टिप्पणियाँ थीं। ÷रंगीला रसूल÷ नाम से सामने आई। इस पुस्तक पर लेखक और प्रकाशन का नाम नहीं था पर यह प्रचार हो गया कि इसके प्रकाशक राजपाल जी हैं। पुस्तक को लेकर तनाव हुआ। राजपाल जी से लेखक का नाम पूछा गया। पर उन्होंने अनभिज्ञता व्यक्त कर दी। इस पुस्तक पर गाँधी जी ने भी आपत्तिजनक माना और यंग इंडिया में लेख लिखा। राजपाल जी गिरफ्तार हुये। उनपर मुकदमा चला। उनपर निचली अदालत में कारावास और जुर्माने की सजा हुई। उन्होंने अपील की और हाई कोर्ट से बरी हो गये। उनके बरी हो जाने को से कट्परपंथी समाज में नाराजी बढ़ी।उन्हे जान से मारने की धमकियाँ मिलने लगीं। उन पर हमले भी हुये। वे दो बार के हमलों में बच गये। वे हमलावर पकड़े भी गये पर तीसरी बार का हमला प्राणलेवा बना। वह 6 अप्रैल 1929 का दिन था एक इल्मदीन नामक कट्टरपंथी पुस्तक देखने के बहाने दुकान में घुसा और अवसर देखकर छुरे से हमला बोल दिया। राजपाल जी आर्य वैदिक धर्म तथा सत्य वैदिक साहित्य के प्रकाशन के लिये बलिदान हो गये। हमलावर इल्मदीन को पकड़ लिया गया। उस पर मुकदमा चला और अदालत ने उसे फाँसी की सजा सुनाई।

राजपाल जी चौथे बलिदानी थे उनसे पहले महर्षि दयानन्द, स्वामी श्रद्धानंद और पं. लेखराम जी भी वैदिक परंपरा की रक्षा में बलिदान हुए। थे। राजपाल जी एक निर्भीक पत्रकार, लेखक, प्रकाशक और वैदिक संस्कृति के लिये समर्पित थे। उनके बलिदान दिवस पर सादर नमन

भाजपा स्थापना दिवस , 45 साल-बेमिसाल

भाजपाः लोकमंगल के संकल्प की एक अनुपम यात्रा, भाजपाः असंभव को संभव करने का नाम

विष्णु दत्त शर्मा

स्वाधीनता के बाद 1951 में जब पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ बनाया था तबविरोधीउनकी हँसी उड़ाते थे कि ये क्या राजनीति करेंगे और जब 1980 में भाजपा की स्थापना हुई तो उनके ताने बढ़ते गये। उस दौर में अटल जी ने कहा था- अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज भाजपा सारी चुनौतियों को ध्वस्त करके भारतीय राजनीति की धुरी बन चुकी है, केंद्र सहित डेढ़ दर्जन राज्यों में सरकार है औरसबसे पुरानी पार्टी का दावा करने वाले पारिवारिक गिरोह न केवल सत्ता को तरस रहे हैं बल्कि अपनी तथाकथित पारंपरिक सीटें भी गँवा बैठे हैं। अपनी 45 वीं वर्षगांठ मना रही भाजपा ने भारत की राजनीति में जो रास्ता चुना था, उस पर चलकरइसने सारी दुनिया को चकित किया है। पार्टी ने आज देश को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, अपराधीकरण, जातिवाद, तुष्टिकरण, आतंकवाद जैसे घावों से मुक्ति दिलाईहै। साथ ही उन सभी मुद्दों को हल करके राजनीति में नया अध्याय लिख चुकी है, जिनकापार्टी ने अपनी स्थापना के समय संकल्प लिया था। कश्मीर में धारा 370 की विदाई या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण से लेकर वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव तक के सभी संकल्प भाजपा ने पूरे किये हैं। अपनी कथनी और करनी से आज यह सर्वाधिक विश्वसनीय पार्टी बनी है तथाजिसकोकरोड़ों लोगों ने अपनाकर विश्व का सर्वोच्च दल बनाया है।

आज की पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि 1980 के दशक का कालखंड भारतीय राजनीति का टर्निंग प्वाइंट था, जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। देश के राष्ट्रवादी समूहों ने एक सपना देखा था, जिसमें भारतीय गौरव की पुनर्स्थापना, भारत के आध्यात्मिक उत्कर्ष, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के विचार-बीज थे। आज वे बीज फलदार बृक्ष हो चुके हैं। 45 साल में वे सारे सपने साकार हो चुके हैं। राजनीतिक क्षेत्र में यह आश्चर्य का विषय हो गया है कि कैसे एक पार्टी 2 सीटोंसे अपनी यात्रा शुरू करते हुए सबसे बड़े लोकतंत्र की सबसे बड़ी पार्टी बनकर आज राजनीति के प्रतिमान बदल रही है। पार्टी विद डिफरेंस के नारे को मूर्त रूप देकर कार्यकर्ताओं ने सारी दुनिया को सियासत का अनूठा स्वरूप दिखाया है।

हालांकि भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, परन्तु इसका अतीत भारतीय जनसंघ से जुड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति तथा देश विभाजन के बादबढ़ते अल्पसंख्यक तुष्टिकरण, लाइसेंस-परमिट-कोटा राज, राष्ट्रीय असुरक्षा, राष्ट्रीय मसलों जैसे कश्मीर आदि पर घुटनाटेक नीति, अंतर्राष्ट्रीय मामलों में भारतीय हितों की अनदेखी आदि अनेक मुद्दों के गर्भ से जनसंघ का जन्म हुआ था। आपातकाल के बाद भाजपा की स्थापना सुदृढ़, सशक्त, समृद्धएवं स्वावलम्बी भारत के निर्माण हेतु की गई थी, जिसमें पार्टी ने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की जो आधुनिक दृष्टिकोण से युक्त एक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध समाज का प्रतिनिधित्व करता हो तथा भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्यों से प्रेरणा लेकर'विश्व गुरू' के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हो। साथ ही संविधान सम्मत सभी नागरिकों को राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, समान अवसर सुनिश्चित हो।पं. दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म-मानवदर्शन' को अपना वैचारिक दर्शन मानते हुए भाजपा ने अंत्योदय, सुशासन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, विकास एवं सुरक्षा के संकल्प पर चलते हुए 45 सालकी अनुपम यात्रा पूरी की है। इस यात्रा में दीनदयाल जी के अंत्योदय से लेकर मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास जैसा अद्वितीय संकल्प पूर्ण हुए हैं।

भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अन्तर्गत गरीबी मिटाना केवल नारा नहीं, उसका संकल्प था। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कोई भाषण नहीं, प्रतिबद्धता थी। कश्मीर में 370 की समाप्ति चुनावी जुमला नहीं, राष्ट्रीय एकात्मताका साक्षात संकल्प था। अन्त्योदय स्लोगन नहीं, यह गरीबों का जीवन स्तर उठाने का प्रण था, जिसे पार्टी का हर कार्यकर्ता 1980 से लेकर अब तक पूर्ण करने में सक्रिय हैं। अटल जी की सरकार द्वारा विपरीत परिस्थितियों में परमाणु परीक्षण हो, कारगिल विजय हो या नरेंद्र मोदी जी द्वारा कश्मीर में 370 की समाप्ति हो, श्रीराम मंदिर निर्माण हो या वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव हो, ये भाजपा की राजनीति में वे मील पत्थर हैं, जो संकल्प से सिद्धि का मंत्र बनकर पीढियों को प्रेरित करते रहेंगे।

आज स्थापना दिवस के प्रसंग में भाजपा के उत्कर्ष में अमूल्य योगदान देने वाले नेतृत्व की चर्चा जरूरी है। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक पार्टी नेताओं ने संकल्प और साहस का नया इतिहास रचा है। भारत को परमाणु शक्ति बनाने से लेकर चंद्रयान-मंगलयान की यात्रा तक की उपलब्धि चुनावी राजनीति से अलग एक अदम्य साहस और देशभक्त नेतृत्व का प्रमाण है।2014 से लेकर 2025 तक गरीबों के मसीहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने अपने सभी संकल्पों को एक-एक करके पूर्ण करते हुए भारत को सशक्तबनाया है।आज भारत के लगभग सभी तीर्थ केंद्र विकास का नया प्रतिमान गढ़ रहे हैं। निरंतर उपेक्षा का दंश झेल रहे हमारे प्राचीन आध्यात्मिक केंद्रोंका गौरव भी पुनर्स्थापित हुआ है।

यही नहीं, भाजपा ने अपने वैचारिक आचरण से देश की राजनीतिक संस्कृति को भी बदला है।एक ओर जहां परिवारवादी, तुष्टिकरण और जातिवादी राजनीति का दौर समाप्त हो गया, वहीं अब धर्म-संस्कृति की बात करना सांप्रदायिक होना नहीं है। राष्ट्रवाद की चर्चा अब संकुचित मानसिकता का परिचायक नहीं है। सरकार की ओर से देवालयों का विकास करना, अब ध्रुवीकरण नहीं है। भारतीयता की बात करना और मातृभाषा में काम करना अब पिछड़ापन नहीं है। हिन्दुत्व का विचार अब सर्वग्राही बन गया है। अपनी प्रखर व प्रतिबद्ध कार्यशैली से भाजपा ने देश के राजनीतिक विमर्श को परिवर्तित करने में ऐतिहासिक सफलता पायी है। इस पड़ाव पर भाजपा अपनी पंचनिष्ठाओं की नींव पर न केवल गर्व सेस्वयं खड़ी है बल्कि उसके सहयोगी दल भी उसके साथ कंधा मिलाकर खड़े हैं। अभी-अभी वक्फ बोर्ड कानून संशोधन मामले में सारी दुनिया ने देखा है।

राज्य भाजपा इकाई का अध्यक्ष होने के नाते अपने अनुभव से कह सकता हूं कि विजन, संगठन, नेतृत्व और कार्यकर्ता- इन चारों अंगों के कारण भाजपा कैडर आधारित पार्टीबनी है। अटल जी, लालकृष्ण आडवानी जी, नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और जय प्रकाश नड्डा तक पार्टी का नेतृत्व करने वाले अनेक लोग इसी कैडर की गंगोत्री से निकले हैं। आज नरेंद्र मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व ने भाजपा के विजन और संगठन का अतुल्य विस्तार किया है तो पार्टी की विकास- यात्रा में गृह मंत्री अमित शाह का योगदान भी स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी ने असंभव को संभव किया है और आज पूर्वोत्तर भारत में भी भाजपा की सरकारें हैं, तो उसके पीछे अमित शाह जी का परिश्रम और संकल्प ही है। उनके नेतृत्व में पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा दल बनने का गौरव भी मिला है। इस प्रसंग में यह भी कहना चाहिए कि गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल पार्टी को शिखर पर पहुंचाया है, अपितु कश्मीर को 370 से मुक्त कराकर, नागरिकता कानून व वक्फ कानून में संशोधन कराकर देश की राष्ट्रीय अखंडता का आदर्श प्रतिमान गढ़ा है।

लगातार सत्ता में रहने के बावजूद विगत मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चमत्कारिक नेतृत्व में पार्टी को प्रचंड बहुमत दिलाया। हम यहां लोकसभा की सभी सीटें जीते हैं और राज्य का हर बूथ मजबूत बनकर सारा संगठन नयी ऊर्जा से ओत प्रोत है। इसलिए 45 वें स्थापना दिवस पर हर बूथ पर कार्यकर्ता सम्मेलन और गांव चलो बस्ती चलो अभियान चलाया जा रहा है। हमारे दोनों नेताओं ने यह सिद्ध किया है कि यदि राजनीति की ऊर्जा को ऊर्ध्वगामी बनाया जाए और मूल्यों एवं आदर्श के साथलोकमंगल की भावना से कार्य किया जाए तो एक समर्थ समाज और सशक्त देशबनाया जा सकता है।

लेखक-भाजपा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।

नल जल योजना में अधिकारियों की लापरवाहियों का खामियाजा भुगत रही है पर्यटन नगरी खजुराहो

खजुराहो। एक तरफ सरकार जल जीवन मिशन के माध्यम से जल संरक्षित एवं सेव वाटर का नारा दे रही है तो वहीं दूसरी तरफ नल जल योजना के अधिकारियों की लापरवाही के चलते कई गैलन पीने योग्य साफ पानी बर्बाद हो रहा है जिसमें इस योजना से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्य कर रही कंपनियां दोषी हैं।

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो में इन दिनों सीवेज लाइन के तहत सड़कों को खोदा जा रहा है जिनकी मिट्टी के चलते और व्यवस्थाओं के कारण जहां लोग परेशान थे वहीं दूसरी तरफ नल जल योजना के तहत बिछाई जा रही पाइपलाइन में भारी अनियमित एवं लापरवाही के कारण सड़कों में जल भराव दुगनी समस्या पैदा कर रहा है, नल जल योजना के तहत जो घर-घर तक पानी पहुंचाने की सरकार की मंशा है उसे मनसा पर अधिकारी पलीता लगा रहे हैं क्योंकि सड़क के बीचों बीच से पाइपलाइन खुली पड़ी हुई है कुछ लोगों ने सड़क के बीच में ही टुल्लू पंप रखकर पानी को घर तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि होना यह चाहिए कि पानी की सटक घर के अंदर तक पहुंचे और उसमें टौंटी लगाई जाए जिससे कि निकलने वाले वाहनों के कारण सटके ना कटे और ना ही आवागमन में व्यवधान पैदा हो लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को भी अवगत कराया गया लेकिन किसी भी तरह का कोई सुधार नजर नहीं आ रहा है, इस योजना के तहत वाटर सप्लाई भी कुछ जगह हो रही है तो कुछ जगह लोग पानी के आने का इंतजार मीना से नहीं बल्कि लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं जो पानी बर्बाद हो रहा है इस पानी को अगर इन वंचित स्थलों की ओर प्रवाहित किया जाए तो शायद यह योजना सार्थक होगी लेकिन अधिकारियों के कान में जू ही नहीं रेंग रही है।

गर्मियों के दिन में लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरसते हैं ऐसी स्थिति में अनावश्यक पानी की बर्बादी और आने वाली इस भीषण गर्मी में पानी की समस्या से निजात दिलाने हेतु वर्तमान में पदस्थ नल जल योजना के अधिकारियों के शायद इस समस्या के समाधान हेतु कोई उपाय नहीं है, तो वहीं दूसरी ओर आने वाले देसी और विदेशी पर्यटक भी सड़कों में मचे कीचड़ के कारण इन अव्यवस्थाओं से व्यथित होते हैं जो पर्यटन की दृष्टिकोण से बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जिले के सक्रिय और संवेदनशील कलेक्टर पार्थ जायसवा से अनुरोध है कि वह इस विषय को संज्ञान में लेकर लोगों को समस्या से निजात दिलाने की कृपा करें।

कमलनाथ व नकुलनाथ का होगा छिंदवाड़ा आगमन धार्मिक व राजनीतिक कार्यक्रमों में होंगे सम्मिलित

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। आगमन उपरांत नेताद्वय हनुमान जन्मोत्सव सहित अन्य धार्मिक आयोजनों में सम्मिलित होने के साथ ही राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी का तीन दिवसीय दौरे पर छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी दिनांक 11 अप्रैल 2025 को विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्?टी पर आगमन होगा। आगमन उपरांत नेताद्वय निज निवास शिकारपुर कमलकुंज में छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे।

दिनांक 12 अप्रैल 2025 को माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी श्री हनुमान जन्मोत्सव पर सिद्ध सिमरिया धाम में आयोजित भव्य व दिव्य कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के साथ संकट मोचन श्री हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना कर देश, प्रदेश व जिले की सुख, शांति व समृद्धि की कामना करेंगे साथ ही अन्य धार्मिक आयोजनों में शामिल होंगे। दिनांक 13 अप्रैल 2025 को पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले बटुकनाथ भैरवजी को कराया नगर भ्रमण

ओबेदुल्लागज (संवाददाता)। प्राचीन खेड़ापति मंदिर हिरानिया में प्राण प्रतिष्ठा से पहले मूर्ति का नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान श्रद्धालु भजनों पर जमकर झूमे। काल भैरव मंदिर नर्मदा पुरम रोड से शाम 5 बजे भगवान , बटुकनाथ भैरव जी की मूर्ति रथ में सवार होकर मुख्य चौराहा, श्री राम मंदिर, सीताराम चौराहा होते हुए खेड़ापति मंदिर तक भ्रमण कराया गया। श्रद्धालु मेरा भोला है भंडारी करे नंदी की सवारी, बम भोले बम भोले बम एवं मेरे घर के सामने तेरा मंदिर बन जाए आदि भजनों पर नृत्य करते हुए आगे चल रहे थे। वही रथ के पीछे बड़ी संख्या में ढोल बाजे पर महिलाएं नृत्य करते हुए चल रही थी नगर भ्रमण उपरांत पूर्णाहुति के बाद विधि-विधान से मंदिर में बाबा भैरवनाथ की प्राण प्रतिष्ठा की गई। पंडित एवं आचार्य द्वारा विधि विधान से पूजा-अर्चना कराई।

इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे एवं इस धार्मिक यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया चावला परिवार एवं दुर्गा मंदिर पर भक्तगण द्वारा शरबत का वितरण किया गया हिरानिया खेड़ापति माता मंदिर समिति, बहावलपुर समाज, व्यापार महासंघ अरोरा परिवार ने नगर वासियों से अपील की है कि 7 तारीख को बाबा भैरव के भंडारे में आए बाबा का प्रसाद ग्रहण करें और बटुकनाथ भैरव जी बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

भूसा बनाने वाली मशीन से लगी आग किसानों की 80 एकड़ में लगी गेहं की फसल जलकर खाक

औबेदुल्लागंज, (सुरेश केवट)। क्षेत्र के ग्राम दीवटिया में भुसा बनाने वाली मशीन से पहले पराली में आग लगी उसके बाद में उससे लगी हुई जमीन पर खड़ी फसल में आग लग गई आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीण और आसपास के लोग जब तक आग पर काबू करने की कोशिश करने पहुंचे तब लगभग 80 एकड़ जमीन जलकर खाक हो चुकी थी दमकल की गाड़ियां जब तक पहुंची तब तक फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी प्रत्यक्षदरसियों ने बताया कि कलेक्टर द्वारा शख्त निर्देश है कि जब तक फसल पूरी तरह न कट जाए किसी भी प्रकार का भूसा बनने पर पाबंदी है उसके बाद भी खड़ी फसल के बगल वाले खेत में भूसा बनाया जा रहा था जिसके कारण आग लगी और किसानों की मेहनत जलकर खाक हो गई मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार नीलेश सरवटे ने बताया कि लगभग 80 एकड़ की फसल जलकर नष्ट हो गई है जिसमे दीपक नागर ,अशोक नागर, स्वरूप सिंह नागर, शैल कुमारी मथुरा बाई नागर हरिशंकर नागर, मंगल सिंह नागर, चतर सिंह नागर, अनिल नागर दीवटिया के किसानों की फसल जलकर नष्ट हुई है और जैसा कि ग्रामीणों ने बताया कि भूसा बनाने वाली मशीन से आग लगी है जिसकी जांच के उपरांत नियम अनुसार कार्यवाही की जाएगी वहीं जिन किसानों की फसल नष्ट हुई हैं उनको उचित मुआवजे के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

सम्राट अशोक की जयंती मनाई गई

आष्टा । शनिवार को सम्राट अशोक की जयंती पर जिला कुशवाह समाज ने कार्यक्रम आयोजित कर सम्राट अशोक के चित्र पर माल्यार्पण कर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार ने अपने उद्बोधन में विचार व्यक्ति करते हुए कहा कि सम्राट अशोक भारतीय इतिहास के सबसे महान और प्रभावशाली शासकों में से एक थे। वे मौर्य वंश के तीसरे सम्राट थे और 268 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व तक शासन किया। उनके पिता सम्राट बिंदुसार और दादा चंद्रगुप्त मौर्य थे, जिन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी। अशोक सम्राट अशोक भारतीय इतिहास के सबसे महान और प्रभावशाली शासकों में से एक थे। वे मौर्य वंश के तीसरे सम्राट थे और 268 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व तक शासन किया। उनके पिता सम्राट बिंदुसार और दादा चंद्रगुप्त मौर्य थे, जिन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी। अशोक सम्राट अपने शुरुआती जीवन में एक शक्तिशाली और युद्धप्रिय राजा थे सम्राट अशोक ने भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उनकी धम्म नीति ने आज भी दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश दिया जिला कुशवाहा समाज अध्यक्ष पूर्व पार्षद नरेंद्र कुशवाहा ने सम्राट अशोक हमारे पूर्वज थे और हमें इस बात का गर्व है इसअवसर पर सुनील कचनेरिया एडवोकेट किशोरी कुशवाहा पूर्व पटेल,बाबू भाई पंचाल, अमन मेवाड़ा, अर्जुन अजय ,विरेन्द्र परमार एडवोकेट ,आदि उपस्थित रहे नरेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद ने सभी का आभार व्यक्त किया

राम जन्मोत्सव के आयोजन के लिए सभी सामाजिक संगठनों, धार्मिक संगठनों के साथ बैठक

सिरोंज। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सबके आराध्य रघुवंश शिरोमणि प्रभू श्रीराम जी का जन्मोत्सव (रामनवमी) पर्व हर्षोल्लास से मनाने के लिए हिंदू समाज के सभी सामाजिक संगठनों सहित धार्मिक संगठनों की सामूहिक बैठक का आयोजन निजी गार्डन में हुई। हिंदू समाज के सभी सामाजिक जातियों के प्रमुखों और विश्वहिन्दू परिषद बजरंगदल , हिन्दू उत्सव समिति के प्रमुखों द्वारा बैठक में शामिल होकर आयोजन को भव्यतापूर्ण सम्पन्न कराने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव व मार्गदर्शन दिया गया। श्री राम जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी द्वारा शोभायात्रा में शामिल होने वाले वाद्य यंत्र सहित अन्य समस्त प्रकार की तैयारी का विस्तृत वर्णन किया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान का आष्टा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

आष्टा । भारत सरकार के कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान अपने लोकसभा क्षेत्र के देवास जिले के खातेगांव में आने वाले संदलपुर जाते वक्त भोपाल से रवाना हो कर आष्टा पहुचने पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान का किलेरामा पहुच कर आष्टा विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने अगवानी की एवं किलेरामा से भोपाल नाका पहुंचने पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री धारासिंह पटेल,पूर्व मंडी अध्यक्ष धर्मसिंह आर्य,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाडा, जिला मीडिया प्रभारी सुशील संचेती, भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष अंजनी विशाल चौरसिया, नगर महामंत्री धनरूप मल जैन सहित सभी उपस्तिथ पार्टी के नेताओ,कार्यकर्ताओ,जनप्रतिनिधियों ने शिवराजसिंह चौहान का भव्य स्वागत सम्मान किया।

पेंशनर संगठनों ने दिया एक राष्ट्र एक चुनाव को समर्थन

सांध्य प्रकाश बैतूल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन एवं विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ शाखा के सदस्यों ने एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के जिला संयोजक अतीत पवार एवं जिला सहसंयोजक जयदीप रूनवाल के समक्ष वन नेशन वन इलेक्शन अभियान को अपना समर्थन दिया इस दौरान बैतूल शाखा से जुड़े सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव से हमें पारदर्शी सरकार मिलेगी चुनाव पर बार-बार होने वाले खर्चे से इसकी पूर्ति आमजन से ही होती है। एक चुनाव हो जाने से देश की प्रगति में वह राशि काम आ सकती है। जो चुनाव में खर्च हो जाती है। अभियान के जिला संयोजक अतीत पवार ने कहा कि आपके अनुभव और मार्गदर्शन से इस अभियान को गति देने में जो ऊर्जा मिली है। वह अभियान की दिशा तय करेगी एक राष्ट्र एक चुनाव के लक्ष्य को लेकर हम हर क्षेत्र और हर वर्ग के बीच जा रहे हैं जहां हमें अच्छा समर्थन मिल रहा है पेंशनर एसोसिएशन द्वारा समर्थन देने पर कार्यक्रम के जिला सहसंयोजक जयदीप रूनवाल जिला शाखा के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

नाले के घटिया काम और लेट लतीफी से परेशान होकर पार्षद प्रतिनिधि ठेकेदार का ठेका निरस्त करने की मांग

सिरोंज। शहर में नगर पालिका से काम लेकर अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा घटिया कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। ज्यादा तार ठेकेदारों के द्वारा काम को भी समय सीमा में पूर्ण नहीं किया जा रहा है। इसके चलते आम जनता को परेशानियां सामना भी करना पड़ रहा है। इनसे परेशान होकर कहीं पार्षद और प्रतिनिधि इनके काम लापरवाही की शिकायत कर चुके हैं फिर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी पालीवाल कॉलोनी में निर्माणाधीन नाले के घटिया निर्माण और लेटलतीफी से त्रस्त होकर पूर्व पार्षद सचिन शर्मा ने एक शिकायती आवेदन देकर नाला निर्माण में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही,उदासीनता तथा उपयोग की जा रही घटिया सामग्री एवं मनमानी पर रोकने की गुहार लगाते हुए जनहित में ठेके को निरस्त करने की अपनी मांग को दोहराया है। इसके पूर्व गत वर्ष मार्च महीने में भी गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन बिना किसी उचित कार्यवाही के कुछ महीने काम बंद रहने के बाद एसडीएम के हस्तक्षेप से पुनः काम शुरू भी हुआ लेकिन चार महीने से भी अधिक समय हो जाने के बाद पेटी पर काम कर रहा ठेकेदार मात्र सौ मीटर ही नाले का निर्माण कर सका है।

अभी तक निर्माण हुए नाले की गुणवत्ता इतनी घटिया है कि बनाई हुई कॉटन वाल जगह जगह से क्षतिग्रस्त तथा जोड़तोड़ किए हुए दिखाई दे रही है।

इस नाले के निर्माण में लगातार एक वर्ष से अधिक समय से आवागमन में तथा नाला बनाने के लिए खोद कर छोड़ दिए गड्ढे में भर रहे पानी से रहवासियों को अपने घरों निकलने में होती परेशानी को देखते हुए स्थानीय पार्षद द्वारा लगातार मौखिक रूप से चेताया जा रहा था। दो दिन पूर्व से इंजीनियरों द्वारा भी घटिया निर्माण कार्य पर रोक लगाने के बाबजूद ठेकेदार द्वारा सरिया एवं मानक स्तर से कम घटिया सामग्री का प्रयोग कर रात के अंधेरे में गुपचुप तरीके से काम करने का सिलसिला शुरू कर दिया।

परन्तु कहने के बावजूद निर्माण कार्य में की जा रही मनमानी से क्षुब्ध होकर ना प्रशासन को आईना दिखाते हुए ठेकेदार द्वारा किए गए काम को खोदकर उसकी गुणवत्ता से अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद नपा सीएमओ राम प्रकाश साहू को शिकायती पत्र देते हुए जनहित में उचित कार्यवाही करने एवं आवागमन को सुचारू करने तथा कॉलोनी की पानी निकासी के लिए अतिशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करने की माँग की है।

अब क्रांतिवीर समशेर सिंह भोसले नगर कहलाएगी पारधी बस्ती

प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने किया सोनाघाटी पारधी बस्ती का नामकरण

बैतूल। जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल विगत दिनों जिले के प्रवास पर पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान वे सोनाघाटी स्थित पारधी बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने समाजजनों से संवाद किया और बस्ती की समस्याएं सुनीं। इस अवसर पर उन्होंने पारधी बस्ती का नामकरण क्रांतिवीर समशेर सिंह भोसले नगर के रूप में करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह नाम समाज के उस ऐतिहासिक योद्धा को समर्पित है, जिसने हमेशा अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। नामकरण कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने यह भी कहा कि अब यह बस्ती क्रांतिवीर समशेर सिंह भोसले नगर के नाम से पहचानी जाएगी और इसके विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। कार्यक्रम में पारधी समाज के मुखिया अलसिया सोलंकी, गोलू सोलंकी, प्रवीण दौड़के, अखिल भारतीय प्रशासकीय प्रमुख वनवासी कल्याण आश्रम दिल्ली महेश्वर भलावी, मधुकर देव्हारे, गोलू ऊपगडे अजीत पाठक, मुस्कान दियावार सहित बड़ी संख्या में पारधी समाज के लोग उपस्थित थे।

ईमान के रास्ते पर चलने वाला ही कामयाब होता है : अय्यूब कुरैशी

सिरोंज। जिला वक्फ़ कमेटी के अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी ने शमशाबाद का आधिकारिक दौरा करते हुए वक्फ़ संपत्तियों का निरीक्षण किया। इसी दौरान जामा मस्जिद में मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में वक्फ़ कमेटी 448 एवं 461 के विवाद को आपसी सहमति से सुलझाते हुए जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी ने कहा कि ईमान और सच्चाई के रास्ते पर चलने वाला ही कामयाब होता है। सभी लोगों को अल्लाह की रजा और कौम की खिदमत की नियत से काम करना चाहिए। वक्फ़ की जो संपत्तियां होती हैं वह किसी एक इंसान की ना होकर पूरी कौम की होती हैं। भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष समीर किरमानी ने मुस्लिम समाज में फैली आपसी बुराइयों की दूर कर कौम के हक में कार्य करने की नसीहत दी। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष अल्ताफ खान ने भी कौम की एकजुटता और मिलजुल कर रहने की बात कही। बैठक को हाफिज श्मस कमर, सादिक कुरैशी, इरफान खान ने भी संबोधित किया। शमशाबाद मुस्लिम समाज के गणमान्य नागरिकों ने भी जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने बेबाक अंदाज और न्यायपूर्ण फैसलों के लिए पूरे जिले में वक्फ़ बोर्ड के जिला अध्यक्ष को लोग जानते हैं। बैठक के पश्चात भाजपा जिला अल्प संख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष गुड्डू मैकेनिक ने अपनी टीम के साथ जिला अध्यक्ष सहित सभी मेहमानों का इस्तकबाल किया। इस दौरान हाजी डॉक्टर अजीज खान, शमशाबाद वक्फ़ कमेटी सदर नजर अली, पूर्व पार्षद सलीम खान, सईद खान सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई श्रीराम नवमी, भगवा हुआ शहर

सांध्य प्रकाश, बैतूल। चैत्र नवरात्रि के नवमी और भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर्व को जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम नवमी को लेकर बैतूल शहर भगवा ध्वज से सज गया और धार्मिक वातावरण के साथ पूरा शहर भगवा मय दिख रहा है। नवमी को लेकर देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। मंदिर में हवन पूजन किया गया। इसके साथ ही श्रीराम मंदिरों में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। सुबह से ही कई स्थानों से शोभायात्रा निकाली गई। शाम को भी शोभायात्रा निकालने की तैयारियां की गई।

जगनिवास प्रभु प्रकटे
अखिल लोक बिश्राम....

जन-जन की प्राण शक्ति
धर्म और न्याय के रक्षक मर्यादा पुरुषोत्तम
भगवान श्रीराम के अवतरण दिवस

श्रीराम नवमी

के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

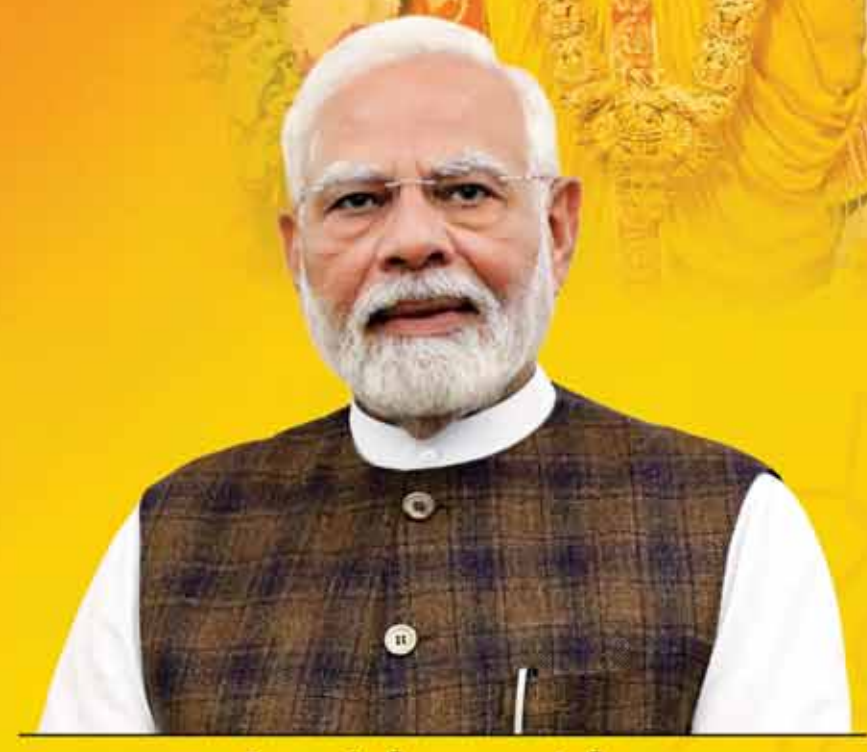

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मैहर
मां शारदा पूजन
विकास कार्यों का
भूमिपूजन एवं शिलान्यास
अपराह्न 1:00 बजे

चित्रकूट
गौरव दिवस कार्यक्रम
गंगा आरती एवं दीपोत्सव
सायं 5:30 बजे

गरिमामयी उपस्थिति
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव
6 अप्रैल 2025

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक अभ्युदय के पथ पर बढ़ता
धार्मिक पर्यटन को समृद्ध करता **मध्यप्रदेश**

D-11001/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025